DE GROUP
We Define Estate

Gandivaranchi
बिरसा का गांडीव

injection.care
PHARMACY
+91 95070 00009 | injection.care

रांची, अगहन, शुक्ल पक्ष, नवमी 2082 | शनिवार, 29 नवंबर 2025, मूल्यः ₹2, वर्ष : 7, अंकः 15 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

## भारत-द. अफ्रीका मैच कल : दोनों टीमों ने मैदान में बहाया पसीना, राहुल बोले

# माही का आना हमारे लिए होगा खास

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** 30 नवंबर यानी रविवार को झारखंड की राजधानी रांची क्रिकेट के रोमांच से सराबोर होने वाली है। जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। मैच से पहले दोनों टीमें पूरी तरह मैदान पर उतरी दिखीं। भारतीय खिलाड़ियों ने नेट्स में जमकर पसीना बहाया तो साउथ अफ्रीका की टीम भी अपने प्लान को धार देने में जुटी रही। शनिवार को फुल टीम प्रैक्टिस के बाद भारतीय टीम के कप्तान केएल राहुल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मैच से जुड़ी कई अहम बातों पर खुलकर चर्चा की। के एल राहुल ने कहा कि रांची में खेलना हमेशा खास रहा है, क्योंकि यह शहर क्रिकेट की धड़कनों से भरा हुआ है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि यह महेंद्र सिंह धोनी का शहर है यहां क्रिकेट नस-नस में दौड़ता है। अगर माही भाई

स्टेडियम में मैच देखने आते हैं, तो वह पल हमारे लिए बहुत खास होगा। यहां दर्शकों का समर्थन हमेशा जबरदस्त रहता है। राहुल के इस बयान ने प्रेस रूम में मौजूद पत्रकारों के चेहरे पर भी मुस्कान ला दी।

**स्पिनर्स के खिलाफ विशेष तैयारी :** पत्रकारों द्वारा किए गए सवालों का जवाब देते हुए राहुल ने टीम संयोजन, विकेटकीपिंग विकल्प और स्पिनर्स के खिलाफ टीम की चुनौतियों पर भी खुलकर बात की। ऋषभ पंत की भूमिका पर पूछे गए सवाल के जवाब में राहुल ने कहा कि अंतिम निर्णय मैच के दिन ही होगा। पंत भी टीम में हैं॒ वह शानदार फॉर्म में हैं। यह कल ही तय हो पाएगा कि वह विकेटकीपिंग करेंगे या सिर्फ बैटिंग पर ध्यान देंगे। टीम उन्होंने कहा कि मैनेजमेंट इस पर विचार कर रहा है। टीम इंडिया हाल के दिनों में स्पिनर्स के खिलाफ कमजोर नजर आई है। इस पर राहुल ने साफ कहा कि टीम इस चुनौती को अच्छी तरह समझती है और इसे सुधारने के लिए निरंतर काम कर रही है। पुराने और अनुभवी बैट्समैन से हम लगातार सीख रहे हैं कि स्पिन को बेहतर कैसे खेलें। आने वाले समय में हम इसमें और मजबूत होंगे। हर सत्र में हम स्पिनरों पर खास फोकस करके प्रैक्टिस कर रहे हैं।

**हर परिस्थिति को लेकर हो चुकी है प्लानिंग :** बॉलिंग और बैटिंग रणनीति को लेकर राहुल ने ज्यादा खुलासा तो नहीं किया, लेकिन यह जरूर कहा कि टीम परिस्थिति के अनुसार अपनी प्लानिंग कर चुकी है। उन्होंने बताया कि इस विकेट पर शुरूआत में बैटिंग थोड़ी चुनौतीपूर्ण हो सकती है, लेकिन मिडिल ओवर्स में रन बनाने के अवसर जरूर मिलेंगे। राहुल ने कहा कि डेथ ओवर्स में टीम की बॉलिंग यूनिट काफी मजबूत है और सभी गेंदबाज अपनी-अपनी भूमिका को लेकर स्पष्ट हैं।

### बल्लेबाजी क्रम पर दबाव बनाना प्राथमिकता

राहुल ने कहा कि हमारा ध्येय साउथ अफ्रीका के मजबूत बल्लेबाजी क्रम पर शुरू से दबाव बनाने का रहेगा। बॉलिंग यूनिट इस मैच के लिए तैयार है। स्टेडियम में होने वाली भीड़ को लेकर राहुल ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए इस तरह का माहौल हमेशा उत्साहित करने वाला होता है। यहां के दर्शक ऊर्जा देते हैं, दबाव नहीं। हम उम्मीद करते हैं कि रविवार को भारत के समर्थन में पूरा स्टेडियम गूंजेगा रांची के जेएससीएस्टेडियम में रविवार के मैच को लेकर सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद है और मैच के टिकट पहले ही बिक चुके हैं। क्रिकेट फैंस को बस इंतजार है पहले वनडे के उस शानदार मुकाबले का, जहां हर चौका-छक्के पर जश्न मनेगा।

### रोहित-विराट पर रहेगी सबकी नजर

भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को रांची में तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में साउथ अफ्रीका का सामना करने के लिए तैयार है। टेस्ट सीरीज बुरी तरह से हारने के बाद भारतीय खिलाड़ी इस सीरीज को जीतने के लिए मैदान पर जबरदस्त प्रैक्टिस करके पसीना बहा रहे हैं। उनकी प्रैक्टिस में मैच जीतने का जुनून साफ नजर आ रहा था। इस सीरीज में भी टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके दो भारतीय दिग्गज खिलाड़ियों पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। इन दोनों खिलाड़ियों आखिरी बार भारतीय जर्सी में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर एक्शन में दिखे थे। जहां रोहित ने शानदार प्रदर्शन करके प्लेयर ऑफ दि मैच का अवॉर्ड जीता था तो वहीं सीरीज के पहले दो मैच में शून्य पर आउट होने वाले कोहली ने भी तीसरे मैच में नाबाद 75 रनों की पारी खेलकर फॉर्म में वापस लौट आए।

हालांकि भारत वो सीरीज 2-1 से हार गया था। अब ये दोनों खिलाड़ी अपनी धरती पर खेलने वाले हैं, और हर किसी को उनसे बड़ी उम्मीदें भी हैं। क्योंकि वो टीम इंडिया के सबसे अनुभवी खिलाड़ी होने के साथ साथ पूर्व कप्तान भी है। लेकिन क्या आप वनडे में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इन दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन के बारे में जानते हैं? प्रोटियाज के खिलाफ वनडे में विराट कोहली का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है, इसलिए भारतीय फैंस कोहली से सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की उम्मीद कर सकते हैं। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध अब तक कुल 31 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 29 पारियों में 65.39 की औसत से कुल 1504 रन बनाए है। इस दौरान उन्होंने ने 5 शतक और 8 अर्धशतक भी लगाए। उनका इस टीम के खिलाफ बेस्ट स्कोर नाबाद 160 रन है।

## भाजपा ने जारी किया आरोप पत्र, बाबूलाल मरांडी ने कहा

# यह अबुआ नहीं, ठगुआ सरकार

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में विगत 06 वर्षों से चल रही सरकार को भारतीय जनता पार्टी ने जनता से धोखा ही धोखा भरी सरकार बताया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में दूसरे कार्यकाल के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी ने आरोप पत्र जारी करते हुए हेमंत सरकार को जनता के साथ धोखाधड़ी वाली सरकार बताया है।

बीजेपी प्रदेश कार्यालय में नेता प्रतिपक्ष सह भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर

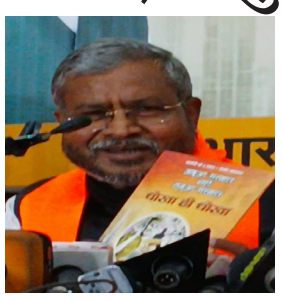

सिंह, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, विधानसभा में मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल, मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक और योगेंद्र प्रताप की मौजूदगी में जारी इस आरोप पत्र के जरिए भाजपा ने सरकार के कामकाज को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं। 22 पृष्ठों में समाहित इस आरोप पत्र में मुखपृष्ठ को आकर्षक ढंग से तैयार किया गया है, जिसमें इस सरकार को अबुआ सरकार नहीं ठगुआ सरकार बताया गया है।

आरोप पत्र के जरिए भारतीय जनता पार्टी ने वर्तमान सरकार पर कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सरकार के कामकाज पर सवाल खड़ा करते हुए कहा है कि जिस तरह से पिछले चुनाव में एक वोट सात गारंटी का वादा जनता को ठगने का काम किया गया उसका फलाफल यह है कि आज तक एक भी गारंटी पूरी नहीं की गई, यानी एक वोट के जरिए सात धोखा दिए गए।

# डॉक्टरों की सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी बदलाव अब दिखेगाः डा. इरफान

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बड़ा बयान देते हुए कहा कि मंत्री पद संभालने के बाद लोगों की उम्मीदें उनसे और बढ़ी हैं।

उन्होंने बताया कि पहले जहां डॉक्टर राज्य में काम करने से हिचकिचाते थे, अब वे सरकार की कार्यशैली और सुधारों से उत्साहित होकर सेवा के लिए आगे आ रहे हैं। डॉ अंसारी ने स्पष्ट कहा कि सरकार सभी डॉक्टरों को पूरी सुरक्षा, सम्मान और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। अस्पतालों में बेहतर कार्य परिस्थितियां सुनिश्चित की जाएंगी तथा डॉक्टरों के अधिकारों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होगा। उन्होंने स्वीकार किया कि पूर्व में कुछ कमियां रहीं, लेकिन अब राज्य एक नए स्वास्थ्य अध्याय की ओर बढ़ रहा है। मंत्री ने सभी चिकित्सकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि स्वस्थ झारखंड का निर्माण डॉक्टरों और सरकार के संयुक्त प्रयासों से ही संभव है।

# हम राष्ट्रवाद नहीं, राष्ट्रीयता शब्द का इस्तेमाल करते हैं : भागवत

*GANDIV REPORTER*

**नागपुर।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चीफ मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि विवादों में उलझना भारत का स्वभाव नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश की परंपरा ने हमेशा भाईचारे और सामूहिक सद्भाव पर बल दिया है। नागपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि भारत की राष्ट्र की अवधारणा पश्चिमी व्याख्याओं से मौलिक रूप से अलग है।

मोहन भागवत ने अपने भाषण में कहा, हमारा किसी से कोई

विवाद नहीं है। हम विवादों से दूर रहते हैं, विवाद करना हमारे देश के स्वभाव में नहीं है। साथ रहना और भाईचारे को बढ़ावा देना हमारी परंपरा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के अन्य हिस्सों का विकास संघर्ष से भरी स्थितियों में हुआ। उन्होंने आगे कहा, एक बार राय बन जाने के बाद, उस विचार के अलावा कुछ भी अस्वीकार्य हो जाता है। वे दूसरे विचारों के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं और उसे वाद कहने लगते हैं।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि पश्चिमी देश भारत के राष्ट्र-विचार को नहीं समझ पाते, इसलिए उन्होंने इसे राष्ट्रवाद कहना शुरू कर दिया। उन्होंने साफ किया, हमारी राष्ट्र की अवधारणा पश्चिमी राष्ट्र के विचार से अलग है। हम राष्ट्रीयता शब्द का उपयोग करते हैं, राष्ट्रवाद का नहीं। राष्ट्र के बारे में अत्यधिक गर्व ने दो विश्व युद्धों को जन्म दिया, इसीलिए कुछ लोग राष्ट्रवाद शब्द से डरते हैं।

# भीषण सड़क हादसा, पांच लोगों की मौत, दो घायल

*GANDIV REPORTER*

**एम्मिगनूर।** आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में दो कारों के बीच भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि पांच लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दुर्घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार एम्मिगनूर के कोटेकल में दो कारों की टक्कर हो गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को अडोनी अस्पताल ले जाया गया। मरने वालों की पहचान कर्नाटक के कोलार जिले के चिन्ना होसापल्ली के रहने वालों के तौर पर हुई है। मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल हैं। यह हादसा तब हुआ जब एक स्विफ्ट डिजायर कार एमिगनूर की तरफ से आ रही फॉर्च्यूनर कार से टकरा गई। इस हादसे में स्विफ्ट डिजायर कार में सवार पांच लोगों की मौत हो गई।

उनमें से दो गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में मरने वालों की पहचान वेंकटेश (76), मीनाक्षी (32), सतीश (34), बनित (5), और रूथविक (4) के रूप में हुई है। ड्राइवर चेतन और गंगामलू का अडोनी एरिया हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

# बिहार में रार! कांग्रेस, राजद के रास्ते होंगे अलग

*GANDIV REPORTER*

**पटना।** बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में करारी हार झेलने के बाद महागठबंधन में टूट की अटकलें चलने लगी हैं। हाल ही में समीक्षा के दौरान कांग्रेस के अधिकतर उम्मीदवारों ने लालू एवं तेजस्वी यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल से गठबंधन को चुनावी हार के लिए जिम्मेदार ठहराया। इनमें से कई ने तो कांग्रेस आलाकमान को राजद से गठबंधन तोड़ने की वकालत भी कर दी। इसके बाद से सियासी पारा गमार्या हुआ है। हालांकि, पार्टी के किसी भी बड़े नेता की तरफ से गठबंधन के भविष्य को लेकर कोई भी बयान नहीं आया है।

पिछले दिनों संपन्न हुए बिहार चुनाव के नतीजों में कांग्रेस, राजद और अन्य विपक्षी दलों के गठबंधन को शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस 71 सीटें लड़कर महज 6 पर जीत दर्ज कर पाई। राजद ने भी 143 सीटें लड़ी और 25 पर

ही जीत नसीब हुई। अन्य घटक दलों की स्थिति भी खराब रही। महागठबंधन कुल 243 में से महज 35 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज कर पाया।

बीते गुरुवार को नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में कांग्रेस ने बिहार चुनाव की हार की समीक्षा बैठक बुलाई। इसमें सभी 61 सीटों पर चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के अलावा प्रदेश स्तर के नेता मौजूद रहे। बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सभी उम्मीदवारों से 10-10 के समूह में बात की। सूत्रों के अनुसार, अधिकतर उम्मीदवारों ने आलाकमान को बताया कि तेजस्वी यादव की पार्टी राजद से गठबंधन की वजह से कांग्रेस को बुरी हार का सामना करना पड़ा है। अगर कांग्रेस इस चुनाव में अकेले मैदान में उतरती तो परिणाम बेहतर होते। प्रत्याशियों ने कहा कि कांग्रेस को राजद से गठबंधन खत्म कर देना चाहिए। उन्होंने महागठबंधन में सीट बंटवारे में देरी होने और लगभग एक दर्जन सीटों पर फ्रेंडली फाइट को भी हार की वजह माना।

हालांकि, कांग्रेस के वरीय नेता इस पर कुछ बोल नहीं रहे हैं। दिल्ली में समीक्षा बैठक के बाद बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह से जब राजद से गठबंधन तोड़ने के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने आलाकमान इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इसका फैसला आलाकमान करेगा।

### गठबंधन में किसी को पकड़कर नहीं रखा गया है : राजद

राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनीलाल मंडल ने शनिवार को एक चैनल से बातचीत में कहा कि गठबंधन में किसी को पकड़कर रखा नहीं जा सकता है। उनकी (कांग्रेस) की अगर मर्जी है कि अकेले और अलग चलेंगे, तो क्या कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि राजद का बिहार में जनाधार है। अगर कांग्रेस को लगता है कि गठबंधन में रहने पर हार हुई है और अलग होना है तो अच्छी बात है। फिलहाल महागठबंधन में शामिल घटक दल अपने-अपने स्तर पर हार की समीक्षा कर रहे हैं। राजद में प्रमंडलवार प्रत्याशियों से फीडबैक लिया जा रहा है। चुनाव में विरोधियों के हित में काम करने वाले भितरघातियों की पहचान भी की जा रही है। उन पर ऐक्शन हो सकता है। विधानसभा सत्र से पहले शनिवार को पटना में तेजस्वी यादव के आवास पर महागठबंधन की बैठक बुलाई गई है। इसमें राजद, कांग्रेस और वाम दलों के विधायक शामिल होंगे। इसमें विधानसभा सत्र की रणनीति को लेकर चर्चा की जाएगी।

# भारत-दक्षिण अफ्रीका वनडे मैच को लेकर ट्रैफिक प्लान जारी

## रातू-चान्हो-मांडर क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ा अपडेटः वनडे मैच के दिन ट्रैफिक में रहेगा बदलाव

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** 30 नवंबर को रांची के जेएससीए स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय (ओडीआई) क्रिकेट मैच के मद्देनजर रांची यातायात पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। शहर में संभावित भीड़-भाड़ और पार्किंग की समस्याओं को देखते हुए यह एडवाइजरी लागू की गई है।

**ट्रैफिक पर प्रतिबंध और डायवर्जन**

मैच के दिन, यानी 30 नवंबर को सुबह 6:00 बजे से लेकर रात 10:00 बजे तक शहर में भारी मालवाहक वाहनों का प्रवेश पूरी तरह से वर्जित रहेगा। इन वाहनों को रिंग रोड का उपयोग करने की सलाह दी गई है। शालीमार चौक से लेकर स्टेडियम के नॉर्थ गेट तक सामान्य वाहनों का परिचालन भी पूरी तरह से बंद रहेगा, और केवल एम्बुलेंस तथा चिकित्सा सेवा वाहन इस मार्ग का उपयोग कर सकेंगे।

इसके अलावा, सुबह 6:00 बजे से लेकर मैच समाप्ति तक सुजाता चौक, राजेंद्र चौक, बिरसा चौक, धुर्वा गोल चक्कर, शहीद चौक, कडरू पुल और अरगोड़ा चौक समेत प्रमुख चौराहों पर छोटे-बड़े मालवाहक वाहन, ऑटो, टोटो और सवारी वाहनों के प्रवेश पर भी रोक रहेगी। अगर जरूरत पड़ी तो अन्य मार्गों पर भी ट्रैफिक डायवर्ट या रोकने का निर्णय लिया जा सकता है।

**पार्किंग व्यवस्था :** मैच के दौरान सामान्य वाहनों के लिए कई वैकल्पिक पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। इनमें प्रमुख पार्किंग स्थल हैं:

सखुआ बागान
महाराणा प्रताप सिंह स्कूल मैदान
धुर्वा गोलचक्कर मैदान
डीएवी स्कूल मैदान
जवाहर लाल स्टेडियम
मियां मार्केट तीन मुहाना
संत थॉमस स्कूल
प्रभात तारा मैदान
शहीद मैदान

इसके अलावा, सैंबो कैंप मोड़ और धुर्वा बस स्टैंड से आने वाले वाहन सखुआ मैदान या महाराणा प्रताप मैदान में पार्क कर सकते हैं। शहीद मैदान, नया सराय रिंग रोड और सीआईएसएफ कैंप से आने वाले वाहन हेलीपैड मैदान का उपयोग करेंगे।

**वीआईपी और मीडिया वाहनों के लिए मार्ग :** वीआईपी और वीवीआईपी वाहनों का प्रवेश शालीमार बाजार, प्रभात तारा मैदान और पारस अस्पताल होते हुए नॉर्थ गेट से होगा। वहीं, मीडिया वाहनों के लिए धुर्वा गोलचक्कर या बस स्टैंड से दक्षिण गेट का रास्ता अपनाया जाएगा।

**मैच समाप्ति के बाद ट्रैफिक डायवर्जन**

मैच के समाप्ति के बाद शालीमार बाजार से सुजाता चौक तक भारी ट्रैफिक को देखते हुए रिंग रोड आधारित वैकल्पिक मार्ग सुझाए गए हैं।

रातू, मांडर, चान्हो के लिए तिरिल कुटे-नयासराय-रिंग रोड नगड़ी, इटकी, बेड़ो के लिए नगड़ी होते हुए

कांके, पिठौरिया, ओरमांझी के लिए तिलता चौक और नामकुम, टाटीसिल्वे, सिल्ली, मुरी के लिए झारखंड मंत्रालय-तुपुदाना-रिंग रोड

**रांचीवासियों से अपील :** रांची के ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने रांचीवासियों से अपील की है कि वे मैच रूट पर चारपहिया वाहनों का उपयोग न करें और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दें। ट्रैफिक व्यवस्था में किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए, रांचीवासियों से सहयोग की अपेक्षा की जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर अन्य मार्गों पर अस्थायी डायवर्जन या स्टॉप भी लगाए जा सकते हैं।

यह ट्रैफिक एडवाइजरी मैच के दौरान रांची के यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए जारी की गई है, ताकि शहरवासियों और क्रिकेट प्रेमियों को कोई परेशानी न हो।

**ट्रैफिक में बदलाव :** रांची ट्रैफिक एसपी कार्यालय ने भारत और साउथ अफ्रीका मैच के दौरान यातायात प्रबंधन और पार्किंग व्यवस्था के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं, ताकि शहरवासियों को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

**क्या है ट्रैफिक प्लान :** 30 नवंबर की सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक भारी मालवाहक वाहनों का शहर में प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा, हालांकि वाहन चालक रिंग रोड का उपयोग कर सकेंगे।

शालीमार चौक से स्टेडियम नॉर्थ गेट तक सामान्य वाहनों का परिचालन बंद रहेगा। हालांकि एंबुलेंस और चिकित्सा वाहनों को छूट दी गई है। सुजाता चौक, बिग बाजार कटिंग, राजेंद्र चौक, मैकॉन चौक, एजी मोड़, पीएस मोड़, आइलेक्स कटिंग, हिनू चौक, बिरसा चौक, एचईसी गेट, पुराना विधानसभा, धुर्वा गोलचक्कर, शहीद चौक, देवेंद्र मांझी चौक, कडरू ब्रिज, कडरू कटिंग और अरगोड़ा चौक के बीच सभी प्रकार के मालवाहक वाहन, ऑटो, टोटो और सवारी वाहनों का प्रवेश सुबह 6 बजे से मैच समाप्ति तक प्रतिबंधित रहेगा।

**पार्किंग व्यवस्था :** सामान्य वाहनों के लिए कई वैकल्पिक पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं, जिनमें सखुआ बागान, महाराणा प्रताप सिंह स्कूल मैदान, धुर्वा गोलचक्कर मैदान, डीएवी स्कूल मैदान, जवाहर लाल स्टेडियम, मियां मार्केट तीन मुहाना, संत थॉमस स्कूल, प्रभात तारा मैदान, शहीद मैदान और हेलीपैड मैदान शामिल हैं। वहीं सांबो कैंप मोड़ और धुर्वा बस स्टैंड से आने वाले वाहन सखुआ मैदान या महाराणा प्रताप मैदान में वाहन पार्क कर सकते हैं, जबकि शहीद मैदान, नया सराय रिंग रोड और सीआईएसएफ कैंप से आने वाले हेलीपैड मैदान का उपयोग करेंगे। वहीं वीआईपी-वीवीआईपी वाहन शालीमार बाजार, प्रभात तारा मैदान और पारस अस्पताल होते हुए नॉर्थ गेट से प्रवेश करेंगे, जबकि मीडिया वाहन धुर्वा गोलचक्कर या बस स्टैंड से दक्षिण गेट का रास्ता अपनाएंगे। मैच समाप्ति के बाद शालीमार बाजार से सुजाता चौक तक भारी ट्रैफिक को देखते हुए रिंग रोड आधारित वैकल्पिक रूट सुझाए गए हैं।

# झारखंड में चल रहे टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा, केंद्रीय टीम ने की सराहना

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** केंद्रीय यक्ष्मा (टीबी) प्रभाग, भारत सरकार की 12 सदस्यीय टीम ने झारखंड में चल रहे टीबी टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा की। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर हो रहे इस समीक्षा टीम का नेतृत्व डॉ। भवानी सिंह कुठियाला कर रहे हैं। समीक्षा के दौरान टीम ने गुमला और रामगढ में चल रहे टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इस निक्षय पोषण योजना, संभावित टीबी रोगियों रोगियों के पहचान के लिए चल रहे कार्यक्रमों, निक्षय मित्र अभियान और टीबी नोटिफिकेशन के लिए उठाये गए कदमों की सराहना की।

केंद्रीय टीम ने प्रदेश के दोनों जिलों का भ्रमण करने के बाद वहां के उपायुक्तों के सामने टीबी उन्मूलन के लिए उनके जिलों में चल रहे कार्यक्रम से जुड़ा प्रजेंटेशन भी दिया। गुमला और रामगढ़ दोनों जिलों के अधिकारियों ने टीम के समक्ष टीबी उन्मूलन की स्थिति, स्वास्थ्य संरचनाओं, तथा चल रहे कार्यक्रमों की उपलब्धियों से संबंधित विस्तृत प्रस्तुति दी। टीम ने प्रशासनिक और स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ बैठक कर जमीनी स्तर की चुनौतियों और समाधान पर भी चर्चा की।

**केंद्रीय टीम ने दिए कई अहम दिशा-निर्देश**

टीबी उन्मूलन कार्यक्रमों की समीक्षा करने आई केंद्रीय टीम ने आज राज्य के स्वास्थ्य निदेशक-प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाओं एवं सभी जिला यक्ष्मा पदाधिकारियों के साथ बैठक की और कई अहम निर्देश दिए। टीम ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत चिह्नित जिलों में जोखिम वाले ग्रुप की में तेजी लायी जाए। इसके साथ साथ टीबी उन्मूलन अभियान में जनभागीदारी और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाने और इसे मजबूत बनाने के निर्देश दिए।

केंद्रीय टीम ने कहा कि सभी ज़िलों में टीबी उन्मूलन से जुड़े कार्यों की गति को बढ़ाते हुए एक्स-रे और मैपिंग को प्राथमिकता दें। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बैठक के दौरान टीबी उन्मूलन के लिए उठाए गए कदमों की प्रगति का अद्यतन मूल्यांकन किया। इस दौरान उन्होंने जोखिम वाले समूहों की मैपिंग और त्वरित गति से कार्रवाई करने का निर्देश दिया। केंद्रीय टीम के सुझावों के आधार पर राज्य के टीबी रोग पदाधिकारी डॉ। कमलेश कुमार को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य ने कहा कि अभियान को जनभागीदारी से और मजबूत किया जाएगा। नेट टेस्टिंग बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि दिसंबर से राज्य के सभी पंचायतों में टी बी फोरम गठन किया जाएगा और पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने हेतु जनसहभागिता बढ़ाई जाएगी।

# सब-इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर बने 150 पुलिस पदाधिकारियों का 8 सप्ताह का प्रशिक्षण

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड पुलिस मुख्यालय ने सब-इंस्पेक्टर से इंस्पेक्टर के पद पर प्रोन्नत हुए 150 पुलिस पदाधिकारियों के लिए 8 सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आदेश जारी कर दिया है। यह प्रशिक्षण झारखंड पुलिस अकादमी, हजारीबाग में आयोजित किया जाएगा। सभी प्रोन्नत पदाधिकारियों को 7 दिसंबर 2025 तक अकादमी में योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

**तीन चरणों में होगा प्रशिक्षण :** मुख्यालय द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम तीन चरणों में आयोजित किया जाएगा।

**पहला चरण :** 08 दिसंबर 2025 से 03 जनवरी 2026 तक झारखंड पुलिस अकादमी, हजारीबाग में सैद्धांतिक एवं तकनीकी प्रशिक्षण।

**दूसरा चरण :** 05 जनवरी 2026 से 24 जनवरी 2026 तक संबंधित जिला एवं इकाइयों में व्यवहारिक प्रशिक्षण।

**तीसरा चरण :** 27 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक पुनः झारखंड पुलिस अकादमी, हजारीबाग में प्रशिक्षण आयोजित होगा।

**नए आपराधिक कानूनों पर विशेष जोर :** प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को नए आपराधिक कानूनों के अनुरूप तैयार किया गया है। मुख्यालय ने निर्देश दिया है कि जिला स्तरीय व्यवहारिक प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं को समूहों में विभाजित किया जाए तथा प्रत्येक समूह के लिए सक्षम पदाधिकारी को ग्रुप कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया जाए। इसके बाद इन्हें अपने-अपने जिलों में प्रशिक्षण हेतु भेजा जाएगा।

# लोजपा (रामविलास) ने संगठन मजबूती पर दिया जोर

## स्थापना दिवस पर पार्टी नेताओं ने लिया संकल्प

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** बिहार विधानसभा चुनाव में सफलता के बाद लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की नजर झारखंड में पार्टी को मजबूत करने पर है। झारखंड में 2024 के विधानसभा चुनाव में खाता खोलने में सफल रही लोजपा ने अब आनेवाले समय में संगठन को मजबूत करने का लक्ष्य रखा है।

इसी संकल्प के साथ आज शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में पार्टी का स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। प्रदेश अध्यक्ष बीरेन्द्र प्रधान के नेतृत्व में स्थापना दिवस समारोह आयोजित की गयी। इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं स्व। राम विलास पासवान और भारत रत्न डॉ। भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर पार्टी की मूल विचारधारा, संगठन विस्तार, जनसंपर्क की दिशा और आगामी योजनाओं पर खुलकर चर्चा की गई।

**बिहार में पार्टी को मिली सफलता से लबरेज है लोजपा**

पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में बिहार चुनाव परिणाम का उत्साह साफ झलक रहा था। इसके लिए बीरेन्द्र प्रधान ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के नेतृत्व में मिले शानदार एवं ऐतिहासिक प्रदर्शन पर सभी कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पार्टी को बिहारझझारखंड समेत पूरे देश में और अधिक मजबूती कैसे मिले, इस पर सभी की एकजुटता और प्रतिबद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोजपा प्रदेश अध्यक्ष ने संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने, सभी मोर्चों को सक्रिय करने और बड़े स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य जनता तक सीधे पहुंच कर उनके मुद्दों का समाधान करना और आने वाले चुनावों में संगठन को एक सशक्त विकल्प के रूप में स्थापित करना है। इस कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकताओं ने संगठन की एकता, सक्रियता और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। स्थापना दिवस समारोह में प्रदेश एवं जिला स्तर के कई प्रमुख पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# रांची में कोल विद्रोह के वीर नायक बुली महतो की आदमकद प्रतिमा का अनावरण

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड में कोल विद्रोह के वीर नायक बुली महतो की आदमकद प्रतिमा का अनावरण सोनाहातू प्रखंड के भकुआडीह चौक पर किया गया है। हालांकि कार्यक्रम को संपन्न कराने के लिए वीर बुली महतो के वंशजों को काफी जद्दोजहद करना पड़ा। इनको खछडट का साथ मिला। लेकिन अनावरण से पहले पुलिस के साथ गरमा गरम बहस भी हुई।

**प्रतिमा स्थापना को लेकर दो राजनीतिक पक्ष सक्रिय :** प्रतिमा स्थापना को लेकर क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से दो अलग राजनीतिक समूह सक्रिय थे। इसी पृष्ठभूमि में प्रशासन सतर्क था और जुलूस को प्रतिमा स्थल तक बढ़ने से रोकने की कोशिश की जा रही थी। प्रतिमा स्थापना को लेकर चल रहे विवाद को शांत करने के लिए बुंडू एसडीपीओ और प्रखंड प्रशासन ने वंशजों, जेएलकेएम और झामुमो, तीनों पक्षों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। बैठक में एक संयुक्त कमेटी भी मौजूद थी। जिसके साथ यह तय किया गया कि प्रतिमा अनावरण वंशजों की उपस्थिति में शांतिपूर्वक सम्पन्न होगा और किसी तरह की राजनीतिक नारेबाजी या विवाद को जगह नहीं दिया जाएगा।

**जुलूस को रोकने की कोशिश, फिर भी आगे बढ़ी भीड़ :** जेएलकेएम नेता देवेंद्रनाथ महतो के नेतृत्व में बाजार टांड़ से तिरंगा पदयात्रा निकाली गई थी। लेकिन कार्यक्रम स्थल पहुंचने से 100 मीटर पहले ही पुलिस ने यात्रा को रोकने की कोशिश की। लेकिन कुछ देर तक खींचतान के बाद प्रशासन को पीछे हटना पड़ा। प्रतिमा स्थल पर पहुंचकर खछडट नेता देवेंद्रनाथ महतो ने कहा कि पुलिस प्रशासन उन्हें यहां आने से रोकना चाहती थी। लेकिन भीड़ का उत्साह इतना अधिक था कि प्रशासन रोक नहीं पाई। उन्होंने कहा कि जनता अपने नायक को सम्मान देने निकली थी, इसलिए सभी आगे बढ़े। प्रतिमा स्थल पर पहुंचने के बाद वंशज, ग्राम प्रधान और पाहन ने परंपरा के अनुसार प्रतिमा और शिलापट्ट का अनावरण किया। स्थल को फूल-मालाओं और पारंपरिक तरीके से सजाया गया था। इस दौरान अनुमंडल क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों की टीम भी मौके पर मौजूद थी। ताकि किसी तरह का विवाद न बढ़े और भीड़ को सुरक्षित तरीके से नियंत्रित किया जा सके। वीर बुली महतो का जन्म 27 नवंबर 1785 को हुआ था। ब्रिटिश शासन के विरुद्ध कोल विद्रोह के प्रमुख नेतृत्वकर्ता के रूप में उनकी भूमिका इस क्षेत्र के लोगों में आज भी आस्था और सम्मान के साथ याद की जाती है। सोनाहातू के कोडाडीह में बुली महतो के नाम से एक प्राइमरी स्कूल भी संचालित है।

# आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार अभियान संपन्न

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड राज्य के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर रांची जिले में आपकी योजना-आपकी सरकारझआपके द्वार कार्यक्रम के तहत पूरे जिले में बड़े पैमाने पर जनसेवा शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में लाखों लोगों ने एक ही जगह पर सरकारी योजनाओं का लाभ लिया।

उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने इसे सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति का उदाहरण बताया।

**एक दिन में पूरे जिले में बनी ऐतिहासिक तस्वीर :** झारखंड के 25 वर्ष पूरे होने पर आयोजित इस कार्यक्रम में जिलेभर के ग्रामीण इलाकों से लेकर शहर के विभिन्न वार्डों तक लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह 10 बजे से शुरू हुए शिविर देर शाम तक चलते रहे। लगभग 20 से अधिक विभागों ने अपनी सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराईं। जिला प्रशासन, वरीय अधिकारी, सभी प्रखंड व अंचल अधिकारी पूरे दिन शिविरों में मौजूद रहे और मौके पर ही लोगों की समस्याएं हल कीं।

शिविर में दी गई सुविधाएं

- बुजुर्ग, विधवा और दिव्यांग पेंशन की स्वीकृति और वितरण
- सोना-सोबरन धोती-साड़ी-लुंगी योजना के तहत हजारों लोगों को वस्त्र वितरण
- दिव्यांगजन को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र का वितरण
- जाति, आय, आवासीय प्रमाण-पत्र, दाखिल-खारिज, लगान रसीद का तुरंत निपटारा
- आधार-पैन कार्ड बनवाने और सुधार की सुविधा
- प्रधानमंत्री आवास, उज्ज्वला गैस, किसान क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के आवेदन और स्वीकृति
- स्वास्थ्य विभाग द्वारा फ्री हेल्थ चेकअप, दवा वितरण और आयुष्मान भारत गोल्डेन कार्ड बनवाना

शिविर जिले के लगभग सभी प्रखंडों और रांची नगर निगम के कई वार्डों में लगे। इनमें अनगड़ा, बेड़ो, बुढ़मू, बुण्डू, चान्हो, ओरमांझी, राहे, रातु, सिल्ली, सोनाहातु, तमाड़ जैसे प्रखंड शामिल थे।

### झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा 2023 का परिणाम जारी

# 1,48,054 अभ्यर्थियों ने मारी बाजी

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** शारीरिक दक्षता परीक्षण के दौरान अभ्यर्थियों के बेहोश होने और उनकी मौत के बाद सुर्खियों में आया झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा 2023 का परिणाम झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने जारी कर दिया है। आयोग के परीक्षा नियंत्रक द्वारा जारी शारीरिक दक्षता परीक्षण में कुल 1,48,054 विद्यार्थियों को सफल घोषित किया गया है। इसके अलावे 84 विद्यार्थियों का परीक्षाफल लंबित रखा गया है।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने 22 अगस्त से 20 सितंबर 2024 तक राज्य के साथ विभिन्न चयन पर्षद केंद्र पर शारीरिक दक्षता परीक्षण का आयोजन किया था। इसके बाद आयोग को प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर शारीरिक दक्षता परीक्षण में उतीर्ण

अभ्यर्थियों के पंजीयन संख्या को आयोग ने जारी कर दिया है। इस परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की वेबसाइट पर जारी पंजीयन संख्या को देख सकते हैं।

आयोग के द्वारा इन अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा आगामी 90 दिनों के अंदर आयोजित करने की घोषणा की गई है। साथ ही इस सूची के संबंध में अभ्यर्थियों से लिखित आवेदन 12 दिसंबर 2025 तक मांगे गए हैं। आयोग ने स्पष्ट कर दिया है कि इसके उपरांत प्राप्त आवेदन विचारणीय नहीं होगा।

**583 पदों के लिए निकाली गई है बहाली :** झारखंड सरकार के उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग में उत्पाद सिपाही के 583 पदों पर भर्ती के लिए झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जून 2023 में आवेदन आमंत्रित किए थे। कुल 583 पदों में अनारक्षित के लिए 237 पद, अनुसूचित जनजाति के लिए 148 पद, अनुसूचित जाति से 57 पद, ओबीसी 1 के लिए 50 पद, ओबीसी टू के लिए 32 पद और ईडब्ल्यूएस के लिए 59 पद शामिल हैं।

इस नियुक्ति परीक्षा में उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया 3 चरणों में पूरी होगी। पहला चरण शारीरिक दक्षता का है जो पूरी कर ली गई है। दूसरा चरण लिखित परीक्षा का है और तीसरा चरण मेडिकल टेस्ट का होगा। फिजिकल टेस्ट का कोई अंक मेरिट लिस्ट में नहीं जोड़ा जायेगा। यह क्वालीफाइंग है।

वहीं लिखित परीक्षा में वैसे उम्मीदवार शामिल होंगे जो फिजिकल टेस्ट में पास किए हैं, लिखित परीक्षा ओएमआर शीट पर ली जाएगी। लिखित परीक्षा में 3 पेपर होंगे। प्रत्येक पेपर 2 घंटे की होगी। तीनों ही पेपर में प्रत्येक प्रश्न 3 अंक के होंगे, सही उत्तर के लिए 3 अंक मिलेंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटे जाएंगे। तीनों पेपर में वस्तुनिष्ठ और बहुवैकल्पिक उत्तर होंगे। पहला पेपर भाषा का होगा, जिसमें हिंदी से 80 प्रश्न और अंग्रेजी से 40 प्रश्न पूछे जाएंगे। इस तरह कुल प्रश्नों की संख्या 120 होगी। इस परीक्षा में पास होने के लिए 30 फीसदी अंक होना जरूरी है। दूसरा पेपर क्षेत्रीय और जनजातीय भाषा का होगा। इस पेपर में पास करने के लिए 30 फीसदी न्यूनतम अंक लाना होगा। तीसरा पेपर भी 120 प्रश्नों का होगा, इसमें सामान्य अध्ययन से 40 प्रश्न, झारखंड राज्य से संबंधित 50 प्रश्न, सामान्य विज्ञान से संबंधित 20 प्रश्न, सामान्य ज्ञान से संबंधित 10 प्रश्न होंगे। इस पेपर में भी पास करने के लिए 30 फीसदी अंक जरूरी होगा।

# झारखंड राज्य में अगले तीन दिनों तक ठंड से मिलेगी राहत

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड में उत्तर और उत्तर-पूर्व से आ रही ठंडी हवा का रुख बदल गया है। अब उत्तर-पश्चिमी हवा चल रही है। इसकी वजह से तापमान में इजाफा हो रहा है। मौसम केंद्र के मुताबिक अगले तीन दिनों तक न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस का इजाफा होगा। इससे ठंड से राहत मिलेगी, लेकिन 2 दिसंबर से फिर हवा का रुख बदलने की संभावना है, जिसकी वजह से न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की कमी आने लगेगी।

**प्रमुख जिलों के तापमान का हाल :** मौसम केंद्र रांची के मुताबिक 29 नवंबर की सुबह 10 बजे तक गुमला में न्यूनतम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। इसके अलावा सिर्फ दो ऐसे जिले हैं जहां का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा है। इनमें खूंटी का 9.6 डिग्री सेल्सियस, जबकि लोहरदगा का न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। इसकी तुलना में सबसे ज्यादा न्यूनतम तापमान पाकुड़ में 15.7 डिग्री सेल्सियस , देवघर में 15.1, गोड्डा में 15.0, पूर्वी सिंहभूम में 14.6 और बोकारो में 13.9 डिग्री सेल्सियस रहा है। प्रमुख शहरों के लिहाज से रांची का न्यूनतम पारा 11.8, जमशेदपुर का 12.6, बोकारो थर्मल का 12.1 और धनबाद का 16 डिग्री सेल्सियस रहा है।

29 नवंबर की सुबह 10 बजे की रिपोर्ट के मुताबिक गोड्डा में अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है। इसके अलावा पाकुड़ में 29.9, सिमडेगा में 29.1, पूर्वी सिंहभूम में 28.9, चाईबासा में 28.8, देवघर में 28.6 और डाल्टनगंज में 28.2 डिग्री सेल्सियस रहा है।

**आने वाले दिनों में कैसा रहेगा मौसम :** मौसम केंद्र रांची के मुताबिक सुबह में कोहरा और धुंध के बाद आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। यह सिलसिला अगले 3 दिसंबर तक देखने को मिल सकता है। इस दौरान शीतलहर से राहत मिलेगी, लेकिन 4 दिसंबर से मौसम बदलने लगेगा।

### झारखंड मुक्ति मोर्चा की बाबूलाल मरांडी को चुनौती

# ढुल्लू पर उंगली डाल कर देखें, आपकी कुर्सी खत्म हो जायेगी

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर एक पोस्ट कर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी को चुनौती दी है। झामुमो ने कहा है कि भाजपा सांसद ढुल्लू महतो पर एक उंगली डाल कर देखिये, उन्हें हाथ लगाने में आपकी कुर्सी और राजनीति दोनों दिल्ली से ही खत्म कर दी जाएगी। क्योंकि पूरा देश आपके प्रिय सांसद और उनके रसूख से वाकिफ है।

झामुमो ने अपने पोस्ट में कोयला कारोबारी एलबी सिंह की चर्चा करते हुए कहा है कि उनसे आपके (बाबूलाल मरांडी) नाते-रिश्ते तो जगजाहिर हैं। किस चुनाव में

कितने और आपके किन-किन प्रिय साथियों ने क्या-क्या लिया। यह सब कुछ दिनों में सार्वजनिक होने वाला है। झामुमो ने आगे लिखा है कि आज जब राज्य सरकार ने इनके (ढुल्लू) काले कारनामों और धंधे पर कार्रवाई शुरू की, तो आप प्रेस के सामने चंपक की कहानियां सुनाने लगे। भाजपा को घाटशिला में 40,000 की रिकॉर्ड हार दिलाने के बाद अगर जरा सी भी शर्म होती, तो आप कुर्सी छोड़ देते। पर आप ऐसा करेंगे नहीं, यह भी सबको पता है।

उल्लेखनीय है कि धनबाद के कोयला कारोबारियों के यहां ईडी की छापेमारी के बाद बाबूलाल मरांडी ने अवैध कोयला कारोबार को लेकर सरकार व प्रशासन पर आरोप लगाये हैं। बाबूलाल ने इसे लेकर प्रेस कांफ्रेंस भी किया। जिसके बाद बाबूलाल मरांडी के साथ एलबी सिंह की तस्वीरें वायरल हुई। और अब झामुमो के बयान ने इस मामले में राजनीतिक दिलचस्पी बढ़ा दी है।

## घरेलू नौकर पर लाखों के गहने चोरी का आरोप

**रांची।** राजधानी रांची के अपर बाजार इलाके में घरेलू नौकर ने ही लाखों रुपये के सोने के जेवर लेकर फरार हो गया। कोतवाली थाना क्षेत्र के जलान रोड निवासी मोहित गरोड़दिया ने अपने नौकर नरेश शर्मा के खिलाफ चोरी की प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित मोहित गरोड़दिया ने बताया कि 25 नवंबर की रात घर में कोई भी सदस्य मौजूद नहीं था। इसी दौरान नरेश शर्मा ने मौके का फायदा उठाया और अलमारी में रखे कीमती सोने के जेवरात गायब कर दिए। नरेश शर्मा पिछले करीब 15 वर्षों से उनके घर में घरेलू कामकाज के साथ-साथ राशन की ढुलाई आदि का काम करता था। परिवार उसे पूरी तरह विश्वास करता था, इसलिए घर की चाबी भी उसके पास रहती थी। घटना का पता चलते ही परिवार ने तुरंत कोतवाली थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

### नेत्रहीन और मूक बधिर बच्चों का पढ़ाने का मौका

# झारखंड में विशेष शिक्षकों की संविदा भर्ती

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** नेत्रहीन और मूक-बधिर बच्चों को पढ़ाने में रूचि रखने वालों के लिए सुनहरा अवसर है। झारखंड के राजकीय नेत्रहीन और मूक-बधिर मध्य विद्यालयों में विशेष शिक्षकों के रिक्त पदों पर संविदा (समयबद्ध) नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह भर्ती महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखंड के अंतर्गत हो रही है।

आवेदन प्रक्रिया व महत्वपूर्ण निर्देश

- इच्छुक अभ्यर्थी विभाग की वेबसाइट https://recruitment.jharkhand.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।
- आवेदन की अंतिम तिथि 27 दिसंबर 2025 है। इसके बाद आने वाले आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।
- चयन विभाग स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा।

शर्तें व आवश्यक दस्तावेज

- आयु-सीमा की गणना 01 अगस्त 2025 के अनुसार की जाएगी।
- नियुक्ति संविदा आधारित और तय मानदेय पर होगी।
- अभ्यर्थी को अपनी शैक्षणिक योग्यता, अनुभव और अन्य प्रमाण पत्रों की स्व-सत्यापित कॉपी आवेदन के साथ संलग्न (अटैच) करनी होगी।
- यदि अभ्यर्थी आरक्षित वर्ग (जाति, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पिछड़ा वर्ग या दिव्यांग) से है, तो संबंधित प्रमाण पत्र अनिवार्य है। - पहले जारी विज्ञापन संख्यापीआर नं. -234549 20 अक्टूबर 2020 को रद्द कर दिया गया है।
- अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट https://www.jharkhand.gov.in/wcd से परिशिष्ट-क एवं क्क में उपलब्ध प्रपत्र डाउनलोड कर आवेदन कर सकते हैं।

# डीएवी शिक्षादीप विद्यालय हेहल में स्मार्ट क्लासेज सुविधा का हुआ भव्य शुभारंभ

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** आज डीएवी शिक्षादीप विद्यालय,हेहल ने शिक्षा के आधुनिक युग की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए

स्मार्ट क्लासेज सुविधा का शुभारंभ किया।इस अत्याधुनिक स्मार्ट क्लासेज का उद्घाटन मुख्यअतिथि विद्यालय के निदेशक शिवनंदन पाठक द्वारा छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,विद्यालय के अध्यक्ष राजेश कुमार की उपस्थिति मे किया गया।मौके पर निदेशक शिवनंदन पाठक ने कहा यह पहल विद्यालय के विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा जो विद्यार्थियों को भविष्य की प्रतियोगिताओं,डिजिटल दुनिया की आवश्यकताओं की तैयारी के

लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।स्मार्ट क्लासेज के उद्देश्य पर विद्यालय के शिक्षक विमलेश पांडे,राजीव रंजन मिश्रा,रविंद्र कुमार,ईशा भारद्वाज,सुग्गी महतो,कुणाल सुवर्णकर आदि ने भी प्रकाश डाला वहीं विद्यालय के प्राचार्य आनंद कुमार ने स्मार्ट क्लासेज को चित्रों, वीडियो,एनीमेशन,डिजिटल सामग्री के माध्यम से सरल, आकर्षक और उपयोगी बनाएं जाने की रोचकपूर्ण तकनीकी को विस्तार पूर्वक बतलाया। उन्होंने कहा स्मार्ट क्लास शिक्षा के क्षेत्र मे नई भविष्य निर्माण की उड़ान की एक आगाज है। शिक्षा के क्षेत्र मे स्मार्ट क्लासेज के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों काफी उत्साहित नजर आए साथ ही इस पहल पर विद्यालय प्रबंधन के प्रति आभार जताई एवं कहा अब हमारी पढ़ाई काफी सरल एवं अधिक प्रभावी होगी।

आनंद कुमार(प्राचार्य)

हेल्पलाइन नंबर : 6207862869

### होमगार्ड में रिश्वतखोरी व अवैध वसूली मामला

# संजय सिंह सहित चार को किया निलंबित

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** होमगार्ड में रिश्वतखोरी और अवैध वसूली की खबरे सामने आने के बाद डीआईजी होमगार्ड के द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। इस मामले में कार्रवाई करते हुए चार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। होमगार्ड में रिश्वतखोरी और अवैध वसूली के मामले को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

**क्या है पूरा मामला :** झारखंड गृह रक्षा वाहिनी मुख्यालय ने सोशल मीडिया के जरिये वीडियो वायरल कर रिश्वतखोरी व अवैध वसूली के आरोपों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए अपने ही ओटीडी शाखा प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह सहित चार को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है। इस आदेश में साफ कहा गया है कि आरोपित अधिकारी और कर्मियो का आचरण अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता और विभाग की साख को नुकसान पहुंचाने वाला पाया गया, इसलिए उन्हें डीजी-कमाण्डेन्ट जनरल के आदेश पर निलंबित कर दिया गया है।

**कैलाश यादव ने लगाए थे आरोप :** आदेश के अनुसार, विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर यह जानकारी सामने आई कि पूर्व कंपनी कमांडर कैलाश प्रसाद यादव ने वायरल वीडियो और पोस्ट के माध्यम से आरोप लगाया था कि उन्होंने गृह रक्षा वाहिनी कार्यालय के कुछ पदाधिकारियों को अवैध वसूली के तहत भारी धनराशि दी है। विभागीय स्तर

पर इन आरोपों को अत्यंत गंभीर मानते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ प्रारंभिक जांच शुरू किया गया, जिसमें संजय कुमार सिंह और अन्य तीन का नाम भी संदिग्ध भूमिका में सामने आया।

अनुशासन भंग और सेवा संहिता उल्लंघनपुलिस महानिदेशक-महानिरीक्षक, गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवाएं, झारखंड, रांची की ओर से जारी सैन्यादेश संख्या 266/2025 में कहा गया है कि संजय कुमार सिंह का आचरण गृह रक्षा वाहिनी मैनुअल और सरकारी सेवक आचरण नियमावली के विपरीत पाया गया। इस आदेश में यह भी उल्लेख है कि उनके व्यवहार से विभाग की निष्पक्षता, पारदर्शिता और स्वच्छ प्रशासन की छवि धूमिल हुई, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। निलंबित रहने के दौरान चारो किसी भी प्रकार के संवेदनशील या वित्तीय दायित्व वाले कार्य में संलग्न नहीं रहेंगे और उन्हें अपने नए पदस्थापन स्थल पर हाजिरी देने का निर्देश दिया गया है, आगे की विभागीय जांच और संकेतमहानिदेशक-ू४-महानिरीक्षक ने आदेश में स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई प्रारंभिक स्तर की है।

# झारखंड में कार्बन क्रेडिट परियोजना को गति : वन विभाग ने नियमों में किए बड़े बदलाव, किसानों को होगा लाभ

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड में कार्बन क्रेडिट परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए वन विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। राज्य में हरित क्षेत्र बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि लाने वाली इन परियोजनाओं को अब मूर्त रूप देने की दिशा में विभाग तेजी से काम कर रहा है।

कार्बन क्रेडिट परियोजनाओं के तहत गांवों में बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने को बढ़ावा दिया जाएगा। पेड़ वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित करते हैं। इससे कार्बन क्रेडिट बनते हैं, जिन्हें बाद में कंपनियों को बेचा जा सकता है। इससे खास तौर पर बिरसा हरित ग्राम योजना के किसानों को अतिरिक्त आय का लाभ मिलेगा।

राज्य सरकार ने हाल ही में

कार्बन क्रेडिट परियोजनाओं के लिए तकनीकी एजेंसी के चयन के लिए निविदा जारी की थी। इसके बाद उअटढअ (कंपेंसेटरी अफॉरेस्टेशन फंड मैनेजमेंट एंड प्लानिंग अथॉरिटी) द्वारा संभावित परियोजनाओं के आकलन के लिए जारी निविदा में कई संशोधन किए गए हैं, जो प्री-बिड क्वेरी के आधार पर तैयार किए गए हैं।

**कंसोर्टियम और ज्वाइंट वेंचर को मिली मंजूरी**

पहले जारी शर्तों में कंसोर्टियम या ज्वाइंट वेंचर को अनुमति नहीं थी। लेकिन अब वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि दोनों की अनुमति होगी। हालांकि, शर्त यह है कि लीड पार्टनर सभी योग्यताएं पूरी करे और पूरे प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी भी वही संभाले। इसके लिए औपचारिक समझौता पत्र अनिवार्य किया गया है। यह संशोधन बड़े और अनुभवी संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित करेगा।

**अनुभव से जुड़े मानकों में राहत :** कार्बन क्रेडिट परियोजनाओं से संबंधित अनुभव के मानदंडों में भी ढील दी गई है। अब बोलीदाता के लिए न्यूनतम 2 वर्ष का अनुभव अनिवार्य होगा। इसके साथ ही पहले 5 पंजीकृत परियोजनाएं एक निश्चित अवधि में पूरी करनी होती थीं।

**निविदा जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ी :** बिडर्स द्वारा समय मांगने पर विभाग ने निविदा जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब निविदा 11 दिसंबर तक जमा की जा सकती है। जबकि तकनीकी बिड 12 दिसंबर को खोली जाएगी। इससे इच्छुक संस्थानों को तैयारी करने का अधिक समय मिलेगा ।इन संशोधनों के बाद उम्मीद की जा रही है कि झारखंड में कार्बन क्रेडिट परियोजनाएं तेजी से धरातल पर उतरेंगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी।

### सिरम टोली फ्लाईओवर रैंप विवाद पर विराम

# हाईकोर्ट ने गीताश्री और सरना समिति की याचिका की खारिज

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** सरना स्थल से जुड़े सिरम टोली फ्लाईओवर रैंप विवाद पर चल रही महीनों की कानूनी लड़ाई फिलहाल खत्म हो गयी है। झारखंड हाईकोर्ट ने पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव और सरना समिति सहित अन्य याचिकाकताओं की याचिकाएं खारिज करते हुए रैंप निर्माण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

अदालत के इस फैसले के साथ सरकार द्वारा तैयार की गयी फ्लाईओवर योजना यथावत रहेगी और सिरम टोली चौक के पास बन रहा रैंप नियमानुसार आगे बढ़ेगा। झारखंड हाई कोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने यह जानकारी दी है।

याचिकाकताओं का मुख्य तर्क था कि रैंप का हिस्सा केंद्रीय सिरम टोली सरना स्थल के बिल्कुल समीप है। जिससे न केवल पवित्र स्थल की गरिमा प्रभावित होगी, बल्कि सरहुल और अन्य पारंपरिक पर्वों के दौरान आवागमन बाधित हो सकता है। उनका कहना था कि रैंप बनने से सरना स्थल तक जाने वाली गली पहले ही संकरी हो चुकी है और भीड़ बढ़ने पर भगदड़ जैसी आशंका बनी रहती है। इसी आशंका को लेकर बीते महीनों में रांची बंद, मशाल जुलूस और विरोध मार्च के जरिये सड़क से लेकर अदालत तक जोरदार विरोध दर्ज कराया गया।

सरकार और नगर निगम की ओर से दायर हलफनामों में दावा किया गया कि फ्लाईओवर परियोजना शहर को जाम से निजात और सार्वजनिक सुविधा के लिये जरुरी है और सरना स्थल की आस्था, पहुंच और सुरक्षा के लिये वैकल्पिक इंतजाम किये गये हैं। विस्तृत बहस के बाद हाईकोर्ट ने माना कि परियोजना से जनहित को बड़ा लाभ होने की संभावना है और तकनीकी व नीतिगत निर्णयों में अदालत सीमित दखल रखेगी।

# श्रीराम मन्दिर ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की बौखलाहट

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार

वह देश, जहां हिंदुओं की आबादी 1947 से लेकर आज तक लगभग समाप्त होने की कगार पर पहुँच चुकी है, जहां सिखों पर अत्याचार के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं, जहां ईसाइयों की प्रार्थना सभाओं को अक्सर हिंसा का निशाना बनाया जाता है, वह भारत में अल्पसंख्यक अधिकारों पर प्रवचन देने का नैतिक अधिकार कैसे प्राप्त कर सकता है? पाकिस्तान की विश्वसनीयता इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि उसकी हर शिकायत एक राजनीतिक नौटंकी से अधिक कुछ नहीं रह जाती।

**पाकिस्तान** की भारत-निंदा की आदत कोई नई नहीं है; यह उसकी कूटनीति एवं संकीर्ण सोच का स्थायी चरित्र बन चुकी है। ऐसा शायद ही कोई अवसर हो जब भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती साख और सांस्कृतिक उन्नयन का प्रभावी दृश्य उभरे और पाकिस्तान उसमें संकुचित मानसिकता से भरी त्रासद टिप्पणियां न करे, विरोध का वातावरण न बनाए या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनर्गल आरोपों का पुलिंदा न खोले। हाल ही में अयोध्याजी में श्रीराम मंदिर पर हुए ध्वजारोहण समारोह को लेकर उसकी बौखलाहट इसी मानसिक दिवालियापन का ताजा उदाहरण है। भारतीयता के स्वाभाविक सद्भाव में सेंध लगाने का कोई अवसर पाकिस्तान हाथ से नहीं जाने देता। यह केवल एक धार्मिक समारोह नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, सभ्यता-स्मृति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का वह क्षण था जिसने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया। पाकिस्तान ने इस ऐतिहासिक घटना का विरोध ही नहीं किया बल्कि इसे संयुक्त राष्ट्र तक ले जाकर शिकायत की, जैसे उसे भारत के हर आंतरिक मामले में बाधा डालना ही अपनी कूटनीतिक जिम्मेदारी समझ में आता हो। इससे पहले भी उसने राम मंदिर निर्माण के अवसर पर अनर्गल विरोध दर्ज कराया था। यह उसका वह ढर्रा है जो भारत के सांस्कृतिक उत्थान एवं उन्नयन की किसी भी झलक को देखकर सहन नहीं कर पाता।

पूरे कुतर्क एवं कुचेष्टाओं के साथ अपने बयान में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने आरोप लगाया है कि श्रीराम मन्दिर का ध्वजारोहण भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर दबाव बनाने की व्यापक प्रवृत्ति का परिणाम है। वैसे, दुनिया जानती है कि किस देश में अल्पसंख्यक ज्यादा दबाव में हैं। आज के समय में पाकिस्तान में बमुश्किल 50 लाख हिंदू बचे हैं, अन्य अल्पसंख्यक सिख और ईसाई तो न के बराबर हैं। पश्चिमी पाकिस्तान में बंटवारे से पहले करीब 15 प्रतिशत हिंदू रहा करते थे, पर बंटवारे के बाद हिंदुओं की संख्या 2 प्रतिशत के आसपास आ सिमटी। दूसरी ओर, भारत में 20 करोड़ से ज्यादा मुस्लिम हैं, इनकी संख्या अन्य अल्पसंख्यकों के साथ तेजी से बढ़ रही है। पाकिस्तान की ओर से यह फिजूल टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पाकिस्तान खुद लंबे समय से हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदिया मुसलमानों सहित दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का केंद्र बना हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में पूरे पाकिस्तान में ईसाइयों और हिंदुओं के

खिलाफ हिंसा व उत्पीड़न जारी रहा है।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली कहावत के अनुसार पाकिस्तान की यह दखलअंदाजी केवल अस्वीकार्य ही नहीं, बल्कि उसकी दोहरी मानसिकता और पाखंडी चरित्र को भी उजागर करती है। विडंबना यह है कि जो देश स्वयं अपने ही नागरिकों को सुरक्षित रखने में असमर्थ है, जो अपने ही अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों का हनन करता रहा है, वह भारत में मुसलमानों के अधिकारों की चिन्ता में रातभर जागने का अभिनय कर रहा है। वह देश, जहां हिंदुओं की आबादी 1947 से लेकर आज तक लगभग समाप्त होने की कगार पर पहुँच चुकी है, जहां सिखों पर अत्याचार के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं, जहां ईसाइयों की प्रार्थना सभाओं को अक्सर हिंसा का निशाना बनाया जाता है, वह भारत में अल्पसंख्यक अधिकारों पर प्रवचन देने का नैतिक अधिकार कैसे प्राप्त कर सकता है? पाकिस्तान की विश्वसनीयता इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि उसकी हर शिकायत एक राजनीतिक नौटंकी से अधिक कुछ नहीं रह जाती।

पाकिस्तान के इस व्यवहार के पीछे भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, उभरती वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होती राष्ट्र-चेतना का भय साफ दिखाई देता है। भारत आज जिस तेजी से विश्व राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है, उसकी आर्थिक शक्ति जितनी तेजी से बढ़ रही है और जिसके सांस्कृतिक और सभ्यतागत विमर्शों को वैश्विक स्तर पर सम्मान मिल रहा है, वह पाकिस्तान की बेचैनी का मूल कारण है। पाकिस्तान यह समझ चुका है कि भारत केवल राजनीतिक या आर्थिक शक्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में भी उभर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्निर्माण और इसके साथ जुड़ी सांस्कृतिक चेतना भारतीय समाज के भीतर एक नई एकता, नई ऊर्जा और एक नए आत्मसम्मान का निर्माण कर रही है। यही वह शक्ति है जिसे पाकिस्तान सबसे अधिक डरता है क्योंकि एक आत्मविश्वासी, एकजुट और संस्कृति-प्राण भारत उसकी कट्टरपंथी राजनीति और भारत-विरोधी साजिशों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान की ओर से जो ह्यबुकलेट्सह्ल और ह्यशिकायतेंह्ल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पेश की जाती हैं, वे वस्तुतः उसकी असफल विदेश नीति का प्रमाण-पत्र हैं। एक ऐसा देश, जो आज आर्थिक दिवालियापन, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की जड़ों में स्वयं फंसा हुआ है, वह भारत के आंतरिक धार्मिक आयोजनों को राजनीतिक संकट बनाने का हास्यास्पद प्रयास करता है। उसका यह व्यवहार न केवल हस्तक्षेपकारी है, बल्कि उकसाने वाला भी है। भारत इन सब निराधार आरोपों को न केवल तथ्यात्मक रूप से खारिज करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर हर मंच पर सटीक जवाब देने की तैयारी भी रखता है। भारत की नीति स्पष्ट है, वह किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देता, परंतु अपने आंतरिक मामलों पर किसी की दखलंदाजी भी स्वीकार नहीं करता। भारत की आंतरिक नीतियाँ संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था से संचालित होती हैं। यहां का अल्पसंख्यक समुदाय किसी भी अन्य समुदाय की तरह समान अधिकारों का उपभोग करता है। भारत की भूमि पर हर धर्म, पंथ और विचारधारा को समान रूप से सम्मान मिलता है। यह विविधता और समभाव वाला देश है जहाँ मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्च केवल स्थापत्य संरचनाएँ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के बहुरंगी फूल हैं। पाकिस्तान की एकरंगी धार्मिक नीति और कट्टरपंथी दबदबा इसे समझ नहीं पाता, इसलिए वह भारत के धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति जताकर अपनी ही सीमित सोच को उजागर करता है।

भारत ने हर चुनौती, हर आरोप और हर उत्तेजक बयान का शांतिपूर्ण और तथ्याधारित उत्तर दिया है। यह संयम उसकी शक्ति भी है और संस्कृति भी। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि भारत किसी उकसाने वाले कदम को नजरअंदाज करेगा। समय-समय पर भारत ने यह दिखाया है कि वह केवल सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामरिक, कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर भी पर्याप्त सक्षम है। पाकिस्तान यह भलीभांति जानता है कि भारत अब इक्कीसवीं सदी का भारत है-आत्मनिर्भर, जागृत, संगठित और विश्व-मान्य शक्ति। अयोध्या में राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल का पुनर्निर्माण नहीं, बल्कि भारत की आत्मा से जुड़े सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गूंज है। इसे कोई अंतरराष्ट्रीय मंच कमतर नहीं कर सकता। पाकिस्तान चाहे कितनी भी शिकायतें कर ले, कितने भी बयान जारी कर दे, या कितनी भी झूठी कहानियां गढ़ ले, भारत की सांस्कृतिक चेतना का उभार अविराम है और यह आगे भी नए आयाम स्थापित करता रहेगा।सच यह है कि पाकिस्तान की यह बौखलाहट उसकी पराजित मानसिकता का परिचायक है।

# बच्चों की सुरक्षा के प्रति बढ़ती चिंता

लालजी जायसवाल

अधिकांश लापता बच्चों को बाल-श्रम, भीख मांगने या यौन शोषण के लिए मजबूर किया जाता है। हालांकि खोया-पाया जैसे नागरिक प्लेटफार्म ने कुछ बच्चों को उनके परिवार से जुड़ने में मदद की है। लेकिन असली रोकथाम ऐसे रैकेट और प्रतिष्ठानों में शामिल व्यक्तियों पर तुरंत मुकदमा चलाने से होगा, जहां बच्चों को रखा जाता है, और उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। बच्चों के साथ होने वाले अपराधों के मूल कारणों को दूर करना जरूरी है। सामुदायिक सतर्कता नेटवर्क की मदद से भी बच्चों की उठाईगिरी को रोका जा सकता है। लिहाजा बच्चों की सुरक्षा के लिए समन्वित प्रयास होने चाहिए।

जिम्मेदारी और जवाबदेही का सवाल : नवजात बच्चों की चोरी और तस्करी से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर किसी नवजात बच्चे को अस्पताल से चुराया जाता है, तो उस अस्पताल का लाइसेंस रद कर देना चाहिए। नवजात शिशुओं की चोरी किसी भी समाज के लिए केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं पर भी आघात है। अस्पतालों में ऐसी घटनाओं का होना यह दशार्ता है कि सुरक्षा मानकों, कर्मचारियों की नैतिकता और प्रशासनिक निगरानी में गंभीर कमी है। जिन संस्थानों में इस तरह की लापरवाहियां सामने आती हैं, उनका लाइसेंस तत्काल रद किया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई हो। लाइसेंस रद करने की नीति न सिर्फ अस्पताल प्रबंधन को जवाबदेह बनाएगी, बल्कि निजी और सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को भी सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए बाध्य करेगी। नवजात की सुरक्षा किसी सुविधा का विषय नहीं, बल्कि अनिवार्य जिम्मेदारी है और इस जिम्मेदारी में जरा-सी भी चूक के लिए ह्यशून्य सहनशीलताह्ल की नीति ही समाज और न्याय दोनों के हित में है। लापता बच्चा केवल एक मामला नहीं- वह राज्य की जिम्मेदारी, समाज की सतर्कता और प्रशासन की जवाबदेही का पैमाना है। वर्तमान समय में आवश्यक है कि तकनीकी संसाधनों का त्वरित उपयोग, स्पष्ट प्रोटोकाल, और पारदर्शी जांच प्रक्रिया के साथ बच्चों की सुरक्षा को शीर्ष प्राथमिकता दी जाए, ताकि कोई भी बच्चा व्यवस्था की चूक का शिकार न बने।

भारत में लापता बच्चों और मानव तस्करी के बढ़ते जाल ने अब अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में जगह बना ली है। मानव तस्करी तो समस्त विश्व की चिंता का विषय बना हुआ है। भारत के लिए तो यह और भी चिंताजनक है, क्योंकि यहां इस प्रकार के आपराधिक समूह सबसे ज्यादा फल-फूल रहे हैं। इस समस्या की भयावहता को देखते हुए इससे निपटने के लिए एक सशक्त संगठन या मंच की आवश्यकता है। मुक्त हुए बच्चों के लिए पुनर्वास की अच्छी व्यवस्था करनी होगी। प्रशासनिक तंत्र में कई स्तरों पर गंभीर कमियां हैं। परिवारों द्वारा दर्ज कराई जाने वाली शिकायतों पर समय पर कार्रवाई नहीं होती। कई मामलों में पुलिस प्रारंभिक प्रतिक्रिया के रूप में यह मान लेती है कि बच्चा स्वयं लौट आएगा, जिससे खोज के शुरूआती महत्वपूर्ण घंटे व्यर्थ चले जाते हैं। राज्यों के बीच समन्वय का अभाव लापता बच्चों की तलाश को और चुनौतीपूर्ण बना देता है। मिशन वात्सल्य जैसी योजनाएं व विभिन्न पोर्टल मौजूद होने के बावजूद उनका प्रभाव जमीन पर नहीं दिखता। यह समस्या दशार्ती है कि केवल नीतियां बना देना पर्याप्त नहीं है। हालांकि, बच्चों के लापता होने के पीछे कई सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी होते हैं, जो परिवार, स्कूल और समुदाय की भूमिका को महत्वपूर्ण बनाते हैं। परिवारों में संवाद की कमी, तनावपूर्ण सामाजिक वातावरण, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं और जागरुकता का अभाव इस समस्या को और जटिल बना देते हैं। स्कूलों में परामर्श से जुड़ी सेवाएं सीमित और औपचारिकता भर होती हैं।

**समाप्त**

## झारखंड

# चुटुपालू घाटी में ट्रक दुर्घटनाग्रस्त आग लगी, दो टेंपो भी क्षतिग्रस्त

*GANDIV REPORTER*

**रामगढ़।** जिले के चुटुपालू घाटी में शनिवार की सुबह लगभग 6:45 बजे रांची से आ रहा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक में आग लग गई। हालांकि समय रहते आग को बुझा लिया गया, जिससे किसी तरह की हताहत नहीं हुई। हालांकि ट्रक चालक को हल्की चोटें आई। वहीं ट्रक की चपेट में आने से दो टेंपो भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और उस पर लदा शिमला मिर्च सड़क पर बिखर गया। इधर घटना की सूचना मिलते ही रामगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायल ट्रक चालक को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा। दुर्घटना के बाद ट्रक में लगी आग

को दमकल टीम ने पहुंचकर बुझाया। हादसे के कारण घाटी में जाम लग गया। इसके बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन की सहायता से हटाया और यातायात सामान्य कराया।

# जेएसएलपीएस कर्मचारियों की हड़ताल जारी, सरकार की कई योजनाएं प्रभावित

*GANDIV REPORTER*

**साहिबगंज।** झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ के बैनर तले साहिबगंज में जेएसएलपीएस कर्मचारियों की हड़ताल जारी है। आठवें दिन भी कार्यालय के बाहर कर्मचारी धरने पर बैठे रहे। इस दौरान कर्मचारियों ने मांगों को लेकर नारेबाजी भी की।

वहीं जेएसएलपीएस कर्मचारियों की हड़ताल से सरकार की दर्जनों योजनाएं प्रभावित हैं। सीसी के हस्ताक्षर नहीं होने से बैंक से जुड़ा लेन-देन और सखी मंडल का कार्य पूरी तरह से ठप हो चुका है। बैंक से लिए गए ऋण की रिकवरी नहीं हो पा रही है। सखी दीदीयों का खाता एनपीए होने की संभावना बढ़ने लगी है। 25 नवंबर से 25 दिसंबर तक घरेलू हिंसा, बाल विवाह को लेकर जागरुकता कार्यक्रम चलाया जाना था, जो शुरू नहीं हो सका। वहीं फूलो झानो अभियान ठप होने से चिन्हित महिलाएं पुनः दारू-हड़िया बेचने में जुट गई हैं। सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम भी प्रभावित हुआ है। आपको बता दें कि जेएसएलपीएस कर्मचारियों

की हड़ताल झारखंड के 24 जिलों में चल रही है। कार्यालयों में पूरी तरह से सन्नाटा पसरा हुआ है।

इस दौरान धरने पर बैठे कर्मचारियों ने कहा कि जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होगी, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। बार-बार आश्वासन दिया जाता है, लेकिन हमारी मांगों पर कोई सकारात्मक पहल नहीं की जाती है। उन्होंने कहा कि हमारी मुख्य रूप से चार मांगें हैं। राज्य सरकार यदि मानी तो हड़ताल जारी रहेगी।

# किशोर का शव मिलने से सनसनी परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

*GANDIV REPORTER*

**धनबाद।** जिले के धनसार थाना क्षेत्र के सरकारी कुआं के पास 16 साल के एक किशोर नीतीश का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक नीतीश, ईस्ट बस्ताकोला चांदमारी का रहने वाला था। वह बारात में लाइट उठाने का काम करता था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को उठाकर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच भेज दिया है। वही घटना को लेकर परिजनों ने एक शख्स पर किशोर की हत्या कराने का आरोप लगाया है। परिजनों ने आरोप लगाया कि गुरुवार रात करीब 11 बजे नीतीश को एक व्यक्ति अपने साथ ले गया था। किशोर को अपने साथ ले जाने वाले शख्स का नाम परिजन अनिल बता रहे हैं। परिजनों के मुताबिक, नीतीश को लोहा कटवाने के लिए घर से बुलाकर अनिल ले गया था लेकिन वह घर वापस नहीं लौटा। जब सुबह पिता पानी भरने कुएं की ओर गए, तो उन्हें कुएं के पास एक शव पड़ा मिला जो खून से लथपथ था।

खून से लथपथ शव की पहचान करना मुश्किल हो रहा था लेकिन बाद कपड़ों से शव की पहचान 16

साल के नीतीश के रूप में हुई है। वहीं परिवार का आरोप है कि किशोर के सिर, आंख, पेट और पूरे शरीर पर चोट के निशान गंभीर हैं। प्रथम दृष्टया में ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे किशोर की पत्थर से मारकर हत्या की हो। वहीं मृतक के नाना गोपाल साहू और भाई विजय कुमार ने बताया कि अनिल, पहले भी धमकी दे चुका था। उनका आरोप है कि अनिल लोहे की चोरी करवाता है और उसी ने नीतीश कुमार को बुलाकर उसकी हत्या की है।

# चार पहिया वाहन की चोरी कर लगा देता था ठिकाना, वैशाली से संचालित था गिरोह

*GANDIV REPORTER*

**गिरिडीह।** जिला की पुलिस ने चार पहिया वाहन चोरों के अंतर्राज्यीय गिरोह का खुलासा किया है। गिरोह में शामिल पांच लोगों को जिले की बेंगाबाद थाना पुलिस ने गिरफ्तार भी किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बिहार के वैशाली जिले के हरिलोचनपुर थाना से अमित कुमार, मुंगेर जिला के बरियारपुर थाना क्षेत्र के गुरुशरण उर्फ मुन्ना, गिरिडीह मुफस्सिल थाना के सिरसिया गांव से संदीप कुमार सिन्हा, वैशाली के बलिगांव थाना क्षेत्र से सुभाष कुमार सिंह और महुआ थाना क्षेत्र से राहुल कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार गिरोह के पास से चोरी में इस्तेमाल करने वाले औजार और चोरी की घटना को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एक स्कॉर्पियो वाहन को भी जब्त

किया गया है। यह सफलता एसपी डॉ बिमल कुमार द्वारा गठित विशेष टीम को मिली है। बेंगाबाद थाना में शुक्रवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस इंस्पेक्टर ममता कुमारी ने बताया कि बेंगाबाद निवासी रीना देवी पति सुनील कुमार के घर के सामने दरवाजे के पास खड़ी स्कॉर्पियो की चोरी हो गई थी। इसे लेकर बेंगाबाद थाना कांड संख्या 177/25 दर्ज किया गया था।

कांड के उद्भेदन के लिए एसपी ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गिरिडीह सदर जीतवाहन उरांव के नेतृत्व में एक टीम गठित की। टीम के द्वारा तकनीकी एवं मानवीय सहयोग सूचना इकट्ठा कर अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश किया गया। इंस्पेक्टर ममता ने बताया कि गिरफ्तार गिरोह के पास से स्कार्पियो को जब्त कर बेंगाबाद थाना लाया गया है। साथ ही एक संदिग्ध द्वारा स्कॉर्पियो वाहन को वैशाली के महुआ थाना को सुपूर्द किया है। इंस्पेक्टर ने कहा कि वाहन की जांच पड़ताल की जा रही है।

इंस्पेक्टर ममता कुमारी ने बताया कि वैशाली के अभियुक्त सुभाष कुमार सिंह का अपराधिक इतिहास रहा है। वह चोरी किए गए वाहनों की पंजीयन संख्या, इंजन संख्या, चेचिस संख्या में छेड़छाड़ कर गांजा, शराब की तस्करी और अन्य अवैध कार्य में लगाता था। इस गिरोह में शामिल अन्य अभियुक्तों के विरुद्ध पुलिस द्वारा अनुसंधान जारी है।

छापेमारी दल में बेंगाबाद थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह, एसआई विजय मंडल, रवींद्र कुमार सिंह, आरक्षी तकनीकी शाखा के जोधन महतो, राजेश गोप, शशिभूषण प्रसाद, हवलदार प्रमोद कुमार दास, आरक्षी अनुज कुमार सिंह, चौकीदार प्रमोद कुमार, अरविंद कुमार राणा और रोशन मरांडी शामिल थे।

**RNI NO : JHABIL/2019/85684,** Printed and Published by SHREE KANT SINGH on behalf of M/s PAHARI BABA VENTURES PVT LTD and Printed at KHABAR MANTRA PRESS, M/s VRINDA MEDIA PUBLICATIONS PVT LTD, Plot no-342,344 Chiroundi, Boreya Road, Ranchi, Jharkhand-834008 and Published at B-13, JP Market, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand, Ph.-06207706623. Editor- **Amarkant*** responsible for selection of news under the PRB Act.

# युवाओं के बीच लौटा हाथ से बुने स्वेटर का ट्रेंड

## स्टाइलिश लुक के साथ सेहत को भी फायदा

**सर्दियां** आ चुकी हैं और आपने भी अपना विंटर वॉर्डरोब तैयार कर लिया होगा। वैसे देखा जाए तो सर्दियों का मौसम सबसे स्टाइलिश मौसम होता है। फैशनेबल जैकेट, स्टाइलिश कोट और ट्रेंडी मफलर जैसी चीजें ना केवल गुनगुनी गर्माहट देती हैं, बल्कि लुक को भी दिलचस्प और आकर्षक बनाने का काम करती हैं। लेकिन पहले के जमाने में ऐसा नहीं होता था। तब घर की महिलाओं के लिए सर्दियों का मतलब घर का काम निबटा कर धूप में बैठकर मटर छीलना और गर्मागर्म मूंगफली खाते हुए चकल्लस करना होता था। इन सबके अलावा एक चीज जो समान रूप से सभी घरों की महिलाओं के हाथों में दिखती थी, वो होती थी ऊन-सिलाई, क्योंकि उस समय रेडीमेड स्वेटर चलन में नहीं थे। यहां उस दौर की बात हो रही है, जब विंटर वॉर्डरोब दादी और नानी अपने हाथों से स्वेटर बुन कर तैयार किया करती थीं।

जी हां, उस जमाने में फैशन पंडित लेटेस्ट ट्रेंड्स की घोषणा नहीं करते थे। बल्कि पूरे मोहल्ले की महिलाएं इस बात पर नजर रखती थीं कि किसके स्वेटर का डिजाइन सबसे अलग और सुंदर है और वही उस सीजन का ट्रेंड बन जाता था। ये उस दौर की बातें हैं, जब स्वेटर बुनना हाथ का हुनर समझा जाता था और महिलाएं सिर्फ स्वेटर का डिजाइन एक बार देखकर ही हूबहू उस जैसा ही बना देती थीं। हो सकता है आज की नई जेनरेशन को इस हुनर के बारे में ज्यादा कुछ ना पता हो, लेकिन उनके घर के भी किसी संदूक में दादी या नानी के हाथ से बुना कोई मफलर, टोपी या स्वेटर जरूर मिल जाएगा। लेकिन अगर घर में कोई हाथ से बुना ऊनी कपड़ा नहीं है, तो भी कोई बात नहीं क्योंकि कहते हैं कि पुराना फैशन हमेशा लौट कर वापस आता है। शायद इसलिए हाथ से बने खूबसूरत स्वेटरों का दौर भी लौटकर वापस आ रहा है।

फैशन ट्रेंड्स की सबसे खास बात यह है कि कोई ट्रेंड कुछ समय के लिए तो पीछे छूट सकता है, लेकिन कभी ना लौट कर वापस जरूर आता है।

यही वजह है कि फैशन के पारखी कभी भी किसी स्टाइल को पूरी तरह खारिज नहीं करते हैं। बड़ी-बड़ी हस्तियों से लेकर तमाम सेलिब्रिटीज तक अपनी शादी या अन्य खास अवसरों पर अपनी दादी-नानी या मां की साड़ी और गहने बड़े चाव से पहनती हैं। करीना कपूर ने अपनी शादी में अपनी सास शर्मिला टैगोर की शादी का जोड़ा पहना था। इसी तरह यामी गौतम ने भी अपनी शादी में अपनी मां की साड़ी पहनी थी। ये उदाहरण बताते हैं कि जिस चीज के साथ यादें जुड़ी होती हैं, वो कभी पुरानी नहीं होती हैं। हाथ से बुना स्वेटर भी एक ऐसा ही इमोशन है, जिसके साथ हम सभी की यादें किसी ना किसी रूप में जुड़ी हैं। इस स्टाइल की लोकप्रियता का आलम आज यह है कि बड़े-बड़े डिजाइनर और फैशन स्टोर भी अपने यहां हाथ से बने ऊनी स्वेटर, क्रॉप टॉप, मफलर, दस्ताने, फिरन और कुर्ते बेचने लगे हैं।

ठंड के मौसम में मन में छाने वाली उदासी, जिसे विंटर ब्लूज कहते हैं, उससे उबरने में भी ऊन-सिलाई आपकी मदद करेगी। बुनाई से ना सिर्फ खाली समय आसानी से कट जाता है बल्कि बुनाई के नए-नए डिजाइन बनाने से दिमाग भी तेज बना रहता है। इतना ही नहीं, बहुत सी महिलाएं तो इसे पुराने दर्द और अकड़न को ठीक करने में भी बहुत कारगर मानती हैं। स्वेटर बनाने का उत्साह इतना ज्यादा होता था कि शरीर का कोई दर्द याद ही नहीं रहता था। बुनाई करते समय हाथ लगातार चलते हैं, जिससे हाथों और उंगलियों में जकड़न नहीं होती और दिमाग भी बुनाई में व्यस्त रहता है।

# ठंड के मौसम में शरीर को गर्म रखता है बथुआ इससे आसानी से तैयार होती हैं यह तीन चीजें

**सर्दियों के मौसम में तरह-तरह की साग-सब्जियां मिलना शुरू हो जाती हैं। ये स्वाद के साथ ही सेहत के लिए भी बहुत अच्छी होती हैं। इस मौसम में साग को डायट में शामिल करना सेहत के लिए काफी अच्छा होता है। हरी पत्तेदार सब्जियों में से एक है बथुआ का साग। ठंड के मौसम में इस साग को खाना सेहत के लिए काफी अच्छा होता है क्योंकि ये शरीर को गर्म रखता है। आप बथुआ का इस्तेमाल करके अलग-अलग चीजों को तैयार कर सकते हैं। यहां हम तीन ऐसी चीजों के बारे में बका रहे हैं जो बथुआ से बनाई जा सकती हैं।**

### बथुआ का रायता

बथुआ का रायता भी स्वाद में काफी अच्छा लगता है। इसे बनाने के लिए बथुआ को छांटने के बाद धोकर उबाल लें और फिर इसका पेस्ट बना लें। अब दही को फेटने के बाद इसमें बथुआ मिलाएं और अच्छे से मिक्स करें। अब इसमें नमक, चाट मसाला, भुना जीरा मिलाएं। अच्छे से मिक्स करने के बाद इसे सर्व करें। आलू के पराठे के साथ ये रायता काफी अच्छा लगता है।

### बथुआ के पराठे

बथुआ की मदद से आप टेस्टी पराठा तैयार कर सकते हैं। इसके लिए बथुआ की अच्छी पत्तियों को छांट लें और फिर धोने के बाद इसे उबाल लें। अब इसे छान लें और सारा पानी निकालने के बाद पीस लें। इसे पीसने के दौरान आप इसमें हरी मिर्च, अदरक मिला लें। फिर आटे में बथुआ का पेस्ट, नमक, मलाई, सौंफ, अजवायन मिला लें। चाहें तो थोड़ा लाल मिर्च पाउडर भी डाल लें। फिर अच्छे से आटे को गूंथ लें और फिर इसके पराठे तैयार करें।

### बथुआ की सब्जी

बथुआ साग की सब्जी भी बनाई जा सकती हैं इसके लिए बथुआ का पेस्ट चाहिए होगा। इसे बनाने के लिए कढ़ाई में तेल गर्म करें। फिर इसमें साबुत लाल मिर्ट जीरा और प्याज डाल दें। सभी चीजों को अच्छे से भूनने के बाद इसमें अदरक लहसुन का पेस्ट डाल दें। अच्छी तरह से भून लें। जब ये भुन जाए तो इसमें पीसे या कद्दूकस किए टमाटर को डालें। अब इसमें नमक और हल्दी डाल दें और मसाले को अच्छे से भून लें फिर इसमें लाल मिर्च पाउडर और धनिया पाउडर डालें। अच्छे से मिक्स करने के बाद इसमें पीसा हुआ बथुआ डाल दें। अब अच्छे से भून लें। जब भुन जाए तो इसमें बारीक कटी हरी मिर्च मिला लें। अंत में लहसुन का तड़का लगाएं और खाएं।

# ये एक्सरसाइज करें, बनेगी परफेक्ट बॉडी, स्टेमिना भी होगा बूस्ट

**अगर आप रेगुलर एक्सरसाइज करेंगे तो इससे आपकी बॉडी का शेप दिखेगा लेकिन यदि आप शरीर को फौलादी बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको खास मेहनत करने की जरूरत है। कुछ खास एक्सरसाइज ऐसी हैं जिन्हें करके शरीर को बलिष्ठ बना सकते हैं। इससे मसल्स में लोच और ताकत आएंगे और स्टेमिना भी बूस्ट होगा। आइए इन एक्सरसाइज के बारे में जानते हैं।**

**1. डेडलिफ्ट** : डेडलिफ्ट एक्सरसाइज करने से बॉडी के सारे मसल्स में गजब की शक्ति आती है। डेडलिफ्ट से टेस्टोस्टेरोन की मात्रा भी बढ़ जाती है। इसलिए परफेक्ट बॉडी के लिए यह एक्सरसाइज बहुत फायदेमंद है। डेडलिफ्ट को करने के लिए पहले ट्रेनिंग की जरूरत होगी, सीखने के बाद इसे खुद कर पाएंगे। इस एक्सरसाइज में लोहे के रॉड में सुविधानुसार 20 किलो, 30 किलो वजन वाले डंबवेल को लेकर स्क्वैट्स की पोजिशन में दोनों हाथों से उपर उठाना होता है। इस रॉड को पकड़कर कूल्हे के लेवल में लाना होता है फिर नीचे रखना होता है।

**2. बारबेल बैक स्क्वैट्स**- इस एक्सरसाइज को भी लोह के रॉड में वेट वाले डंबवेल डाल कर किया जाता है लेकिन इसमें रॉड को नीचे से नहीं उठाया जाता है बल्कि कंधे पर पीछे से रॉड को रखा जाता है और इसे बैठकर फिर उठा जाता है और फिर रॉड को कंधे से उपर उठाया जाता है।

**3. बारबेल बेंच प्रेस**- इस एक्सरसाइज में भी डंबवेल का सहारा लिया जाता है। ज्यादा डंबवेल को रॉड में लगाकर बेंच पर लेटा जाता है और इसे उठाया जाता है। इसमें छाती पर बहुत अधिक ताकत की दरकार होती है। इससे छाती में बहुत अधिक ताकत आ जाती है। इस एक्सरसाइज से शरीर का उपरी हिस्सा और मसल्स बलशाली बन जाता है।

**4. सस्पेंडेड पुशअप**- सस्पेंडेड पुश अप्स भी हर कोई नहीं कर सकता है। इसके लिए पहले अन्य तरह की एक्सरसाइज में निपुण होना पड़ता है। इस एक्सरसाइज को करने के लिए दीवाल में लगी एक फ्लेक्सिबल रस्सी का सहारा लेकर पुश अप्स किया जाता है। आप पुश अप्स करेंगे लेकिन रस्सी आपको अपनी ओर खीचेगी। इससे बहुत तेजी से आपके मसल्स बनते हैं और पूरे शरीर में ताकत आती है।

**5. स्लेजहेमर हिट**- यह एक्सरसाइज नाम सुनने से लगता कि आसान होगा। इसमें करना भी बहुत ज्यादा कुछ नहीं है सिर्फ एक वजनदार हथौड़ा लेना है और इसे ट्रक या ट्रैक्टर के टायर पर माड़ना है जैसे आप टायर में कील पर हथौड़ा ठोक रहे हैं। इस एक्सरसाइज से पूरे शरीर में कंपन होता है और गजब की शक्ति आती है।

# खांसी और कफ से राहत देता है अनार के छिलकों की चाय

**मौसम बदलते ही लोगों को अकसर सर्दी-खांसी और गले में कफ जमने की दिक्कत होने लगती है। जिससे राहत पाने के लिए उन्हें कई बार डॉक्टरों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कड़वी दवाओं को खाने के बाद भी शरीर को आराम नहीं मिलता है। अगर आपको भी मौसम में बदलाव होते ही गले की खराश और कफ की परेशानी होती है तो अनार के छिलकों की चाय बनाकर पी लें। एनसीबीआई के अनुसार, अनार के छिलके फेनोलिक एसिड, हाइड्रोलाइजेबल टैनिन, फ्लेवेनोइड्स, प्रोटीन, फैटी एसिड, एंटीऑक्सीडेंट्स, पोटैशियम और कैल्शियम जैसे मिनरल्स का भंडार होते हैं। ये सभी पोषक तत्व दिमाग को तेज बनाकर सेहत को कई गजब के फायदे देते हैं।**

## अनार के छिलकों की चाय पीने के फायदे

### दिमाग की सेहत का रखता है ख्याल

ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से दिमाग अपने काम करने की क्षमता खोने लगता है। जिसकी वजह से लोगों को अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसी भूलने वाली बीमारी होने लगती है। लेकिन एक स्टडी के अनुसार अनार के छिलकों का अर्क लेने वाले लोगों का दिमाग बहुत अच्छी तरीके से काम करता है। अनार के छिलकों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस के नुकसान को भी कम करते हैं।

### वेट लॉस

अनार के छिलकों में फाइबर, विटामिन के, सी, और बी, आयरन जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। अनार के छिलके फैट और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

### इम्यूनिटी बूस्ट करे

अनार के छिलके में पाए जाने वाले पॉलीफेनोल्स रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार करके इम्यूनिटी को बूस्ट करते हैं।

### डायबिटीज रखें कंट्रोल

अनार के छिलकों में एलेजिक एसिड और पिकलुगिन गुण खाना खाने के बाद शरीर में बढ़ने वाले ग्लूकोज स्पाइक को कम करने में मददगार साबित होते हैं। ये डायबिटीज को कंट्रोल करने में मददगार साबित होते हैं।

### हाई ब्लड प्रेशर

यह चाय काफी हद तक हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से छुटकारा दिला सकती है। हाइपरटेंशन हार्ट अटैक और स्ट्रोक का मुख्य कारण होता है।

### गले की खराश

यदि किसी व्यक्ति को गले में खराश, खांसी जैसी कोई समस्या है तो अनार के छिलके की चाय फायदा दे सकती है। अनार के छिलके में मौजूद एंटीमाइक्रोबियल तत्व बैक्टीरिया, इंफेक्शन को कम करने में मदद कर सकते हैं।

### अनार के छिलके से चाय बनाने का तरीका

अनार के छिलके से चाय बनाने के लिए सबसे पहले 3-4 दिन धूप में अनार के छिलके सूखा लें। इसके बाद इन्हें मिक्सी में पीसकर इनका पाउडर तैयार कर लें। अब एक खाली टी बैग में अनार के छिलकों का पाउडर भर लें। अब एक कप गुनगुना पानी लेकर उसमें नॉर्मल टी बैग की तरह अनार के छिलके वाला टी बैग डालकर यूज करें। आपकी अनार के छिलकों की चाय बनकर तैयार है।

# राजस्थान में बारिश-कोहरा, हिमाचल व उत्तराखंड में बर्फ पिघलाकर पानी पी रहे

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** पहाड़ी राज्यों में कड़ाके की सर्दी शुरू हो गई है। हिमाचल के 16 शहरों में रात का तापमान 5त सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। लाहौल स्पीति, किन्नौर और चंबा में पानी की टंकियां, पाइप लाइन और सड़क किनारे पानी में बर्फ जमने लगी है। उत्तराखंड के 4 धामों में तापमान माइनस 10 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे चला गया है। आदि कैलाश में भी पारा माइनस 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जिससे वहां गौरी कुंड सरोवर जम गया है। कई पहाड़ी इलाकों में लोग बर्फ पिघलाकर पी रहे हैं।

सर्दी के बीच राजस्थान में शुक्रवार रात को जयपुर, उदयपुर समेत कई इलाकों में हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज और कल शीतलहर की संभावना जताई है। सुबह के समय कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। तापमान 2-3 डिग्री कम हो सकता है। वहीं, साइक्लोन दितवाह 30 नवंबर को तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश तट तक पहुंच सकता है। मौसम विभाग ने तटीय इलाकों में बारिश और बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। लोगों से घरों में रहने की सलाह दी गई है।

राजस्थान में बारिश के बाद अब शनिवार से सर्दी तेज होगी। भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद समेत 5 जिलों में शनिवार और रविवार को घने कोहरे का अलर्ट है। 1 दिसंबर से राजस्थान में उत्तरी हवा का प्रभाव बढ़ने से कोल्ड-वेव शुरू हो जाएगी। 2 दिसंबर को सीकर, चूरू, झुंझुनूं और नागौर में कोल्ड-वेव का येलो अलर्ट जारी किया है। मध्य प्रदेश में ठंड ने फिर यू टर्न ले लिया है। गुरुवार-शुक्रवार की रात जबलपुर, ग्वालियर समेत प्रदेश के 12 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया। वहीं, इंदौर, भोपाल-उज्जैन समेत कई जिलों में सुबह कोहरा छा रहा है। भोपाल में सुबह के समय विजिबिलिटी 1 से डेढ़ हजार मीटर तक रह रही है। हरियाणा में 2 दिन बाद यानी 1 दिसंबर से धुंध और ठंड दोनों बढ़ सकते हैं।

मौसम एक्सपर्ट का कहना है आज और कल दो दिन बादल छाए रहेंगे और 1 दिसंबर से उत्तर-पश्चिमी हवाएं चलने से नमी बढ़ सकती है इससे धुंध बढ़ेगी और शीतलहर चलेगी। पंजाब-चंडीगढ़ में ठंडक बढ़ गई है और धुंध भी पड़नी शुरू हो गई है। पिछले 24 घंटे में न्यूनतम तापमान में 0.2 सेल्सियस की वृद्धि हुई है।

लेकिन फिर भी अधिकतर शहरों का न्यूनतम तापमान 4.5 डिग्री से लेकर 9 डिग्री के आसपास दर्ज किया गया है। सबसे ठंडी रात फरीदकोट की रही है, यहां पर 4.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। छत्तीसगढ़ में ठंड का दौर फिर लौट आया है। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर सहित कई जिलों में रात का पारा 3-4 डिग्री तक लुढ़क गया है। सरगुजा संभाग के जिलों में शीतलहर जारी है। अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर घना कोहरा छाया हुआ है, जिससे विजिबिलिटी लगभग 100 मीटर पहुंच गई है। वाहन चालकों दिन में भी लाइट जलाकर चलना पड़ रहा है।

# इजरायल ने दक्षिणी सीरिय पर किया हमला, 13 की मौत, भड़का हमास

*GANDIV REPORTER*

**नयी दिल्ली।** गाजा के बाद अब इजरायल ने दक्षिणी सीरिया के गांव को निशाना बनाया है। गांव में रात के अंधेरे में तलाशी अभियान के दौरान गोलीबारी में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। सीरिया की न्यूज एजेंसी ने इसकी पुष्टि की है। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने इजरायल के इस ऑपरेशन की निंदा की है। सीरियाई प्रशासन ने इसे युद्ध अपराध बताया है और कहा कि इजरायल एक बार फिर पूरे क्षेत्र को अशांत करने और हिंसा की आग भड़काने की कोशिश कर रहा है।

हमले में घायल हुए इयाद ताहिर ने कहा, हम रात में सोए और सुबह नींद खुली तो भयंकर गोलीबारी चल रही थी। हम बाहर निकले तो देखा कि गांव में इजरायली सेना का अभइयान चल रहा है। चारों ओर सैनिक और टैंक तैनात हैं। इसके बाद हवाई बमबारी शुरू हो गई। अस्पताल में भर्ती अहमद कमाल ने एएफपी को बताया कि उन्होंने भी खुद की रक्षा के लिए फायरिंग की। अहमद ने बताया कि गोलीबारी में उनके भाई की मौत हो गई और वह बुरी तरह घायल हो गए।

इजरायली सेना का दावा है कि गांव से जामा इस्लामिया ग्रुप के खतरनाक आतंकियों को पकड़ा गया है। यह इस्लामिक संगठन भी हमास और हूतियों के साथ मिलकर इजरायल के खिलाफ साजिश रच रहा था। आईडीएफ के मुताबिक उसके भी 6 सैनिक घायल हुए हं। आर्मी ने दावा किया कि इस अभियान में कई आतंकी मारे गए हैं। वहीं इलाके में अब भी जवान तैनात हैं।

बता दें कि बशर अल असद की सरकार गिरने और फिर नई इस्लामिक सरकार बनने के बाद सैकड़ों बार इजरायल सीरिया में हमले कर चुका है। इजरायल ने बफर जोन में भी अपने सैनिक तैनात कर दिए हैं। इजरायल ने सीरिया के गोलन हाइट्स पर भी कब्जा कर लिया। स्थानीय न्जूय एजेंसी के मुताबिक सैनिकों का मुकाबला करने के लिए ग्रामीण भी हथियार लेकर बाहर निकले थे जिनमें से कई की मौत हो गई ।

सीरिया के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह हमला एक भयानक नरसंहार था और मारे गए लोगों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इजराइली सेना ने दावा किया कि उसके सैनिकों ने गोलीबारी पर जवाबी कार्रवाई की और इस दौरान हवाई हमले की मदद ली गई। उसने बताया कि अभियान समाप्त हो गया है, सभी संदिग्धों को पकड़ लिया गया है और कई उग्रवादी मारे गए हैं। दोनों देश के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं। हालांकि, तनाव कम करने के लिए एक संभावित सुरक्षा समझौते पर दोनों पक्ष बातचीत कर रहे हैं।

सीरियाई अधिकारियों ने इजराइली घुसपैठ की निंदा करते हुए इसे सीरिया की संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। सीरियाई सरकार ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इजराइली घुसपैठ को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया। वहीं, गांव में एक स्थानीय अधिकारी वालिद ओकाशा ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि मारे गए लोग आम नागरिक थे।

# दिल्ली ब्लास्ट को आतंकियों का जलवा कह गए कांग्रेस नेता

## मोदी सरकार पर साध रहे थे निशाना

*GANDIV REPORTER*

**नयी दिल्ली।** अक्सर अपने बयानों की वजह से सुर्खियों और विवादों में रहने वाले कांग्रेस नेता उदित राज ने आतंकी हमलों को दहशतगर्दों का जलवा करार दिया है। उदित राज ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब भी कहा जाता है कि आतंकवाद को दफन कर दिया, तब-तब आतंकवादी अपना कुछ जलवा दिखा देते हैं। उन्होंने दिल्ली धमाके का जिक्र करते हुए यह बात कही।

10 नवंबर की शाम लाल किले के पास आई20 कार में हुए जोरधार धमाके में हमलावर समेत 15 लोगों की जान चली गई, जबकि 20 बुरी तरह घायल हो गए। धमाके को डॉक्टरों के एक आतंकी मॉड्यूल ने अंजाम दिया।

जम्मू-कश्मीर के रहने वाले एक डॉक्टर आतंकी उमर नबी ने फिदायीन हमला किया था। जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की ओर से दिए गए एक बयान से जुड़े सवाल के जवाब में उदित राज ने कहा, क्या गलत कह रहे हैं, स्टेटहुड का प्रॉमिश था। कई बार बेईमानी हो रही है, लूट रहे हैं वहां। लूटने के लिए ही रखा गया है। संभल तो रहा नहीं है। अभी कश्मीर में भी बम ब्लास्ट हुआ था, जब भी यह कहते हैं कि हमने आतंकवाद को दफन कर दिया पाकिस्तान में घुसकर मारा तब आतंकवादी कुछ ना कुछ अपना जलवा दिखा देते हैं। जलवा कह जाने के बाद खुद को संभालते हुए उदित राज ने अपना वाक्य बदला और कहा कुछ ना कुछ आतंकवादी गतिविधि करके दिखा देते हैं कि तुम्हारी बात में दम नहीं है। उन्होंने कहा, (मोदी सरकार ने) कुछ दिन पहले ही कहा था कि देखो जम्मू कश्मीर के बाहर देश में कहीं आतंकवादी हमला नहीं हुआ, धड़ाक से लाल किला में बम ब्लास्ट करके दिखा दिया। पहले भी यही कहते थे कि कश्मीर में आतंकवाद का सफाया हो गया, पहलगाम करके दिखा दिया।

# नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया-राहुल को राहत, ईडी की चार्जशीट पर फैसला टला

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लाउंड्रिंग के मामले में ईडी की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने पर फैसला टाल दिया है। स्पेशल जज विशाल गोगने ने अब 16 दिसंबर को फैसला सुनाने का आदेश दिया। ईडी ने 6 सितंबर को सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से 4 जुलाई 2014 को ईडी के पास दर्ज कराई गयी शिकायत की प्रति और 30 जून 2021 के एक दस्तावेज की प्रति दाखिल किया था। सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि जिन लोगों ने कांग्रेस को दान दिया उनके साथ धोखाधड़ी की गयी। ईडी ने कहा कि जिन लोगों ने दान दिया उनमें से कुछ को टिकट दिए गए। आरोपपत्र में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के नाम पीएमएलए के तहत दर्ज हैं।

राजू ने गांधी परिवार की उस दलील का विरोध किया कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) पर उनका कोई नियंत्रण नहीं था। उन्होंने कहा कि एजेएल ही मूल रुप से नेशनल हेराल्ड की प्रकाशक थी। इस मामले में राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील आरएस चीमा ने कहा था कि कांग्रेस ने एजेएल को बेचने की कोशिश नहीं की थी बल्कि वो इस संस्था को बचाना चाहती थी, क्योंकि वो स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा थी।

चीमा ने कहा था कि ईडी एजेएल का मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन क्यों नहीं दिखा रही है। एजेएल की स्थापना जवाहर लाल नेहरू, जेबी कृपलानी, रफी अहमद किदवई और दूसरे कांग्रेस नेताओं ने 1937 में की थी। चीमा ने कहा था कि एजेएल के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में कहा गया है कि उसकी सभी नीतियां कांग्रेस की होंगी। सोनिया गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि ईडी ने एक आश्चर्यजनक और अप्रत्याशित मामला बनाया। उन्होंने कहा था कि ईडी ने आश्चर्यजनक से भी ज्यादा मामला बनाया है। ये मनी लाऊंड्रिंग का ऐसा मामला है जिसमें संपत्ति का कोई जिक्र नहीं है। सिंघवी ने कहा था कि यंग इंडियन ने पूरी कार्रवाई एसोसिएटेड जनरल लिमिटेड को कर्ज मुक्त करने के लिए किया। उन्होंने कहा था कि हर कंपनी अपने को कर्ज मुक्त करने के लिए कानून के मुताबिक कदम उठाती है।

# चक्रवाती तूफान दित्वाह को लेकर ऑरेंज अलर्ट

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** श्रीलंका के तटीय क्षेत्रों और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान दित्वाह लगातार उत्तर दिशा में बढ़ रहा है। इसकी गति 7 किमी प्रति घंटे रिकॉर्ड की गई है। 30 नवंबर को चक्रवाती तूफान का असर उत्तर तमिलनाडु , पुडुच्चेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश तटों पर नजर आ सकता है। इसको देखते हुए मौसम विभाग ने तटीय इलाकों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

भारत मौसम विभाग के अनुसार, आज शनिवार रात 2:30 बजे तूफान का केंद्र 9.2 डिग्री उत्तर और 80.8 डिग्री पूर्व पर स्थित था, जो त्रिंकोमाली से 80 किमी उत्तर-पश्चिम और चेन्नई से लगभग 430 किमी दक्षिण में था। चक्रवाती तूफान के उत्तर-उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए

30 नवंबर को उत्तर तमिलनाडु, पुडुचेरी और दक्षिण आंध्र प्रदेश तटों के पास पहुंचने की संभावना है।

**इन इलाकों में भारी बारिश की आशंका :** चक्रवात के प्रभाव से तमिलनाडु के कई जिलों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की आशंका जताई गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि रामनाथपुरम, पुदुक्कोट्टई, तंजावुर, तिरुवारूर, नागपट्टिनम और कराईकल में एक-दो स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा थूथुकुडी, शिवगंगई, अरियालुर और मयिलादुथुरै में भारी से बहुत भारी बारिश का पूवार्नुमान है। वहीं, कन्याकुमारी, तिरुनेलवेली, विरुधुनगर, मदुरै, तिरुचिरापल्ली, पेराम्बलूर और कुड्डालोर जिलों में भी कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

**स्कूल कॉलेज रहेंगे बंद :** मौसम की गंभीरता को देखते हुए तमिलनाडु के कई जिलों में स्कूल-कॉलेजों को बंद रखने का फैसला लिया गया है। अरियालुर, तिरुची, तंजावुर और विलुप्पुरम जिलों में स्कूल बंद रखे गए हैं। वहीं कुड्डालोर, तिरुवारूर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुरै, कल्लक्कुरिची, पुदुक्कोट्टई, पेराम्बलूर, पुडुच्चेरी और कराईकल में स्कूलों और कॉलेजों दोनों में छुट्टी घोषित की गई है।

प्रशासन ने तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है, जबकि मछुआरों को समुद्र में न जाने का निर्देश जारी किया गया है। समुद्र में ऊंची लहरें उठने और तेज हवाएं चलने की संभावना को देखते हुए राहत और आपदा प्रबंधन टीमों को अलर्ट पर रखा गया है।

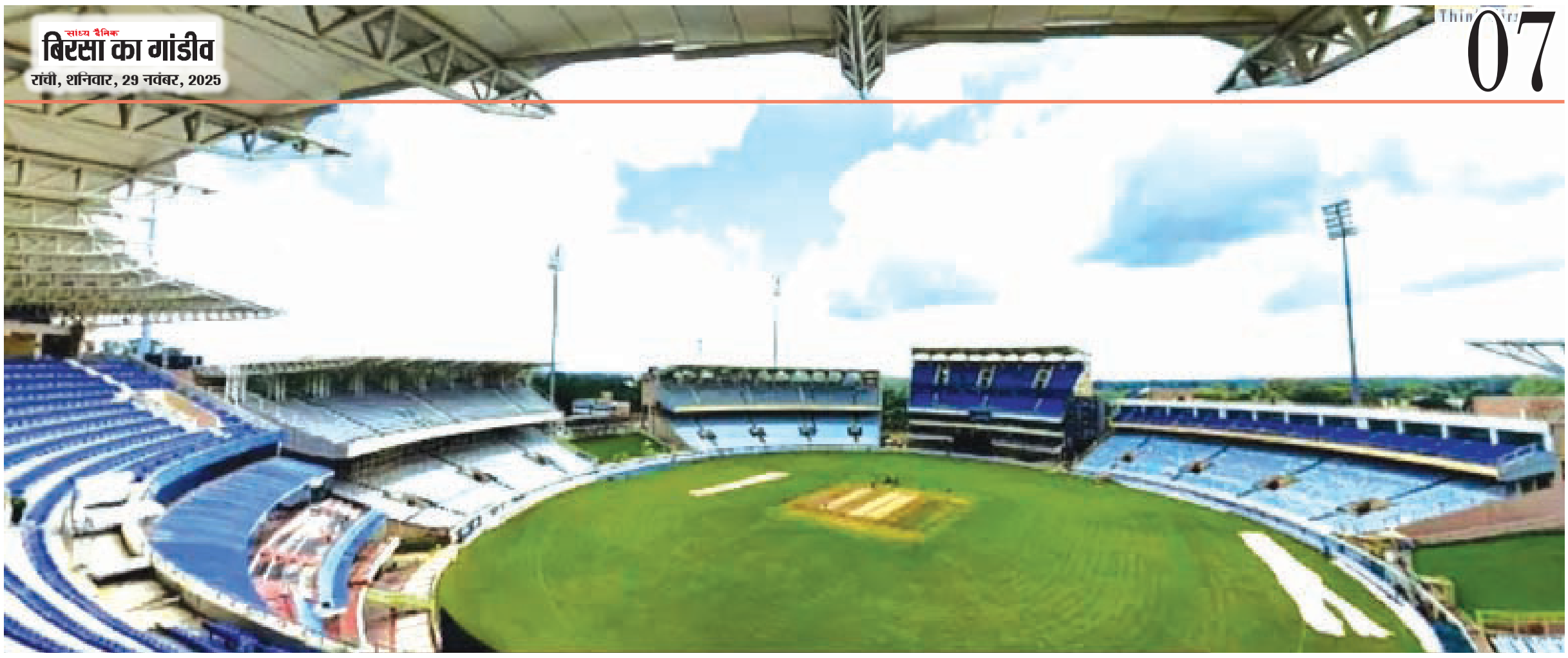

### जेएससीए स्टेडियम मैच के लिए तैयार : बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ेगा, घूमती गेंदें बल्लेबाजों की परीक्षा लेती हैं

# डब्ल्यूपीएल 2025 : मेगा ऑक्शन में 67 खिलाड़ी बिके

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** डब्ल्यूपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में 67 खिलाड़ियों पर 40.80 करोड़ खर्च हुए, जिससे टीमों ने नई रणनीतियाँ बनाईं और अपने संयोजन को मजबूत किया। मुंबई इंडियंस ने कोर टीम बरकरार रखी, जबकि यूपी वॉरियर्ज ने मेग लैनिंग जैसी शीर्ष खिलाड़ियों को जोड़कर दमदार टीम बनाई।

विमेंस प्रीमियर लीग के मेगा ऑक्शन में इस बार माहौल काफी दिलचस्प रहा। साढ़े पांच घंटे चली नीलामी में एक-एक खिलाड़ी पर फ्रेंचाइजियों की रणनीतियां साफ नजर आईं। मौजूद जानकारी के अनुसार 128 खिलाड़ियों का नाम आया था, लेकिन केवल 67 खिलाड़ियों की खरीद हुई, जिन पर कुल 40.80 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। बता दें कि इसमें 23 विदेशी और 44 भारतीय खिलाड़ियों को टीमों ने अपने स्क्वॉड का हिस्सा बनाया है। गौरतलब है कि 2 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने शुरूआत से ही अपनी पिछली कोर टीम को वापस लाने पर पूरा ध्यान रखा। नतीजतन अमीलिया केर और शबनिम इस्माइल जैसी

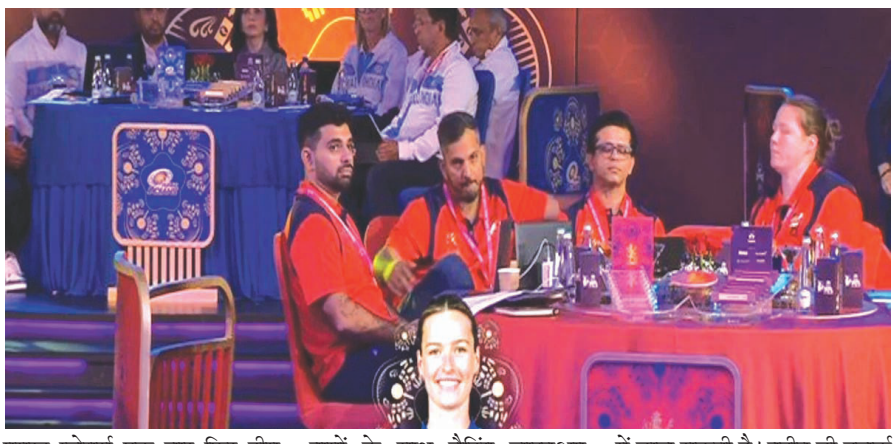

प्रमुख प्लेयर्स एक बार फिर टीम के साथ जुड़ गईं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में टीम का बैटिंग और ऑलराउंडर विभाग पहले से भी ज्यादा मजबूत दिखाई दे रहा है, हालांकि युवा विकेटकीपर जी कमलिनी को प्लेइंग-11 में फिट करना चुनौती बन सकता है।

उधर दिल्ली कैपिटल्स के लिए दिन मिला-जुला रहा। टीम मेग लैनिंग को रिलीज करने के बाद उन्हें वापस नहीं खरीद सकी और लैनिंग को यूपी वॉरियर्ज ने 1.90 करोड़ रुपए में अपने साथ जोड़ लिया। दिल्ली ने स्नेह राणा, लौरा वोल्वार्ट और शिनेले हेनरी जैसे नामों के साथ बैटिंग लाइनअप को मजबूत जरूर किया है, लेकिन विकेटकीपिंग स्लॉट पर अनिश्चितता अभी भी बनी हुई है। तानिया भाटिया का विकल्प सीमित होने के कारण टीम को संयोजन में बदलाव पर अधिक सोचना पड़ेगा।

आरसीबी की बात करें तो टीम ने अपने ऑलराउंडर्स पर भरोसा बरकरार रखा है। स्मृति मंधाना के साथ जॉर्जिया वोल, एलिस पेरी और ऋचा घोष जैसे प्लेयर्स किसी भी मैच का रुख बदलने का दम रखते हैं। हालांकि, गेंदबाजी विभाग में अनुभव की कमी उन्हें दबाव वाली स्थितियों में मुश्किल में डाल सकती है। नदीन डी क्लर्क और राधा यादव की मौजूदगी के बावजूद विकेट लेने वाली गेंदबाजों की कमी महसूस होने की संभावना बनी हुई है। यूपी वॉरियर्ज ने इस बार ऑक्शन में सबसे दमदार कदम उठाए। बड़े पर्स का फायदा लेते हुए टीम ने मेग लैनिंग, डिएंड्रा डॉटिन, फीबी लिचफील्ड और सोफी एकलस्टन जैसी शीर्ष खिलाड़ियों को स्क्वॉड में शामिल किया। टीम का टॉप ऑर्डर और बॉलिंग डिपार्टमेंट दोनों ही बेहद संतुलित नजर आ रहे हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार टीम ने विकेटकीपर स्लॉट पर अनकैप्ड क्षिप्रा गिरी पर भरोसा जताया है, जो सीजन के दौरान एक बड़ा फैक्टर साबित हो सकती हैं। गुजरात जायंट्स ने इस बार बल्लेबाजी को मजबूती देने पर जोर दिया है। सोफी डिवाइन, यास्तिका भाटिया और बेथ मूनी जैसी बल्लेबाज टीम को मजबूत शुरूआत दे सकती हैं। हालांकि गेंदबाजी विभाग में अनुभव की कमी उनकी सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभर सकती है। काश्वी गौतम, तितास साधु और तनुजा कंवर जैसी युवा गेंदबाज बड़े मैच के दबाव में स्थिरता बनाए रखने में संघर्ष कर सकती हैं। कुल मिलाकर इस ऑक्शन ने हर टीम की रणनीति और आने वाले सीजन की तस्वीर कुछ हद तक साफ कर दी है। कुछ फ्रेंचाइजियां अपने पुराने कॉम्बिनेशन को फिर से मजबूत कर मैदान में उतरेंगी, जबकि कुछ टीमों ने बड़े बदलावों के साथ नई शुरूआत करने का फैसला लिया है। खिलाड़ियों की भूमिकाओं और संयोजन को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि आने वाला सीजन पहले से ज्यादा रोमांचक और प्रतिस्पर्धी होने वाला है, जिसकी तैयारियां सभी टीमों ने शुरू कर दी हैं।

## डब्ल्यूपीएल 2026 : मुंबई और आरसीबी के बीच होगा पहला मैच

### 5 फरवरी को फाइनल, विमेंस प्रीमियर लीग का

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** विमेंस प्रीमियर लीग 2026 का शेड्यूल जारी हो गया है। लीग का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस और 2023 सीजन की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होगा। 9 जनवरी को यह मैच नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जाएगा। इसी मैदान पर भारत ने महिला विश्व कप का खिताब जीता था। इस मैदान पर टूर्नामेंट के शुरूआती 11 मुकाबले खेले जाएंगे। फाइनल और एलिमिनेटर समेत अगले 11 मुकाबले वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में होंगे।

महिला प्रीमियर लीग 2026 में दो डबर हेडर खेले जाएंगे। पहला डबल हेडर 10 जनवरी और

दूसरा 17 जनवरी को होगा। दोनों ही मुकाबलों में यूपी वॉरियर्स की टीम हिस्सा लेगी। नवी मुंबई लेग का आखिरी मैच 17 जनवरी को दिल्ली और आरसीबी के बीच होगा। 18 जनवरी को रेस्ट डे रखा गया है। 19 से वडोदरा लेग की शुरूआत होगी। गुजरात और आरसीबी की टीम दूसरे लेग के पहले मैच में भिड़ेगी।

**टॉप पर रहने वाली टीम सीधे फाइनल में** : 5 टीमों की इस लीग में सभी को 8-8 मैच खेलने हैं। पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर रहने वाली टीम को सीधे फाइनल में एंट्री मिलेगी। वहीं दूसरे और तीसरे नंबर की टीमों के बीच एलिमिनेटर मुकाबला खेला जाएगा। एलिमिनेटर की विजेता और टेबल में पहले नंबर पर रहने वाली टीम के बीच खिताबी मुकाबला होगा।

## जीत के लिए चाहिए थे सिर्फ तीन रन, अंपायर्स ने रोक दिया मैच, महिला बिग बैश लीग में भारी बवाल

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** महिला बिग बैश लीग में भारी बवाल देखने को मिला है। लीग का 27वां मैच एडिलेड स्ट्राइकर्स और सिडनी थंबर के बीच खेला गया। इस मैच को बारिश की वजह से रोकना पड़ा, जिससे काफी विवाद हो गया। सिडनी थंडर की टीम जीत के करीब पहुंच चुकी थी। उसे सिर्फ 3 ही रनों की जरूरत थी लेकिन तभी अंपायर ने मैच रोकना का फैसला किया। इसकी वजह से मैच बेनतीजा रहा और बवाल शुरू हो गया।

यह मैच शुरू से ही खराब मौसम से प्रभावित था। बारिश के कारण मैच को छोटा करके हर टीम के लिए सिर्फ पांच-पांच ओवर का कर दिया गया था। जब मौसम थोड़ा ठीक हुआ तो सिडनी थंडर

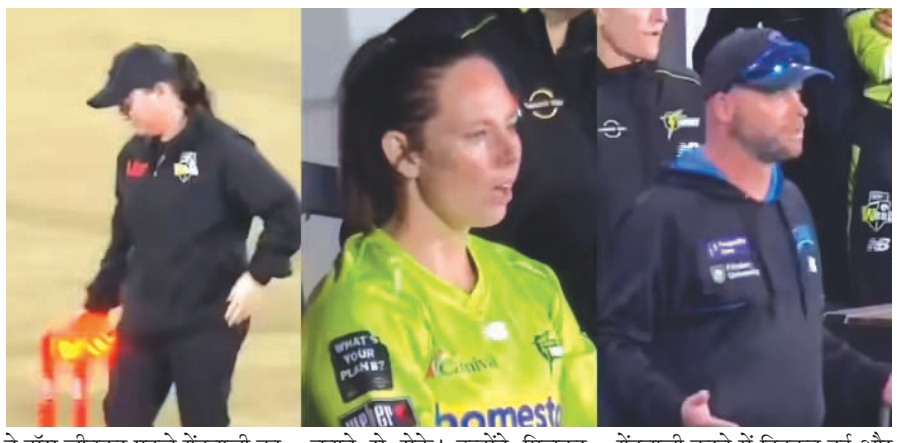

ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। एडिलेड स्ट्राइकर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 45 रन बनाए। लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 13 गेंदों पर 22 रन की अहम पारी खेली। शबनिम इस्माइल और चमारी अटापट्टू ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए एडिलेड को ज्यादा रन बनाने से रोके। उन्होंने मिलकर सिर्फ 11 रन दिए।

इसके बाद सिडनी थंडर की बल्लेबाजी शुरू हुई। फोएबे लिचफील्ड ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पहले दो ओवरों में ही 35 रन ठोक दिए। डार्सी ब्राउन को गीली गेंद से गेंदबाजी करने में दिक्कत हुई और लिचफील्ड ने एक ही ओवर में पांच चौके जड़ दिया। 2.5 ओवर के बाद टीम का स्कोर 43 रन था। उसे जीत के लिए सिर्फ तीन रनों की जरूरत थी। थंडर की पूरी पारी के दौरान धीमी बारिश हो रही थी लेकिन जब टीम जीत के करीब पहुंची तो अंपायर्स ने मैच को रोकना का फैसला कर लिया। इससे मैच बेनतीजा रहा। टी20 क्रिकेट में नतीजे के लिए कम से कम 5 ओवर खेलना जरूरी होता है।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कैलम फर्ग्यूसन इस फैसले से बहुत नाराज थे। उन्होंने अंपायर के फैसले को 'शर्मनाक' बताया। दूसरे कमेंटेटर्स और दर्शकों ने भी इसी तरह की भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पहले भी बारिश हो रही थी तब खेल क्यों जारी रहा, लेकिन आखिरी पलों में हखेल रोक दिया गया। ब्रॉडकास्टर्स ने भी बताया कि खेल रोके जाने के समय बारिश उतनी तेज नहीं थी जितनी पहले के कई ओवरों में थी जब खेल बिना रुके चलता रहा था।

## विश्व चैंपियन तीरंदाज अदिति स्वामी ने स्वर्ण जीता, नटराज का पूल में दबदबा

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** दिल्ली हाफ मैराथन (डीएचएम) के आयोजक पिछले महीने प्रतियोगिता के 20वें सत्र के बाद 16 सामाजिक कार्यों के लिए 4.12 करोड़ रुपये जुटाने में कामयाब रहे। दिल्ली हाफ मैराथन के आयोजकों ने एक बयान में कहा, हमारे साझेदार लक्ष्य के समर्थन से एनजीओ, फंडरेजर, कारपोरेट और धावकों ने अलग-अलग सामाजिक कार्यों के लिए 4.12 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए। बयान में दावा किया गया कि दो दशक में डीएचएम चैरिटी के लिए 88 करोड़ रुपये से अधिक जुटा चुका है।

शिवाजी यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व कर रहीं विश्व चैंपियन तीरंदाज अदिति गोपीचंद स्वामी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को यहां खेलो इंडिया

यूनिवर्सिटी खेलों (केआईयूजी) के पांचवें दिन कंपाउंड महिला व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया।

पूल में ओलंपियन श्रीहरि नटराज और भव्या सचदेवा ने बेंगलुरु की जैन यूनिवर्सिटी को दबदबा बनाए रखने में मदद की जिससे तैराकी स्पर्धा अभियान 27 स्वर्ण पदक के साथ खत्म हुआ। यूनिवर्सिटी ने तैराकी की नौ स्पर्धाओं में आखिरी दिन सात स्वर्ण पदक जीते। जैन यूनिवर्सिटी 45 पदक (27 स्वर्ण, नौ रजत और नौ कांस्य) के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है।

लवली प्रोफेशनल। यूनिवर्सिटी 22 स्वर्ण के साथ दूसरे और गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी 21 स्वर्ण पदक के साथ तीसरे स्थान पर है। उन्नीस साल की अदिती ने जिन भी खेलो इंडिया युवा खेलों में हिस्सा लिया है, उन सभी में स्वर्ण पदक जीता है।

उन्होंने महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर केआईसूजी में शानदार शुरूआत की। नटराज पूल में आखिरी दिन के स्टार रहे।

## क्रिकेटर एबी डिविलियर्स का गंभीर पर बयानः भावुक कोच ड्रेसिंग रूम के लिए ठीक नहीं

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** डिविलियर्स ने गंभीर की कोचिंग शैली पर सवाल उठाया है, यह कहते हुए कि ड्रेसिंग रूम में भावनात्मकता अच्छी नहीं होती, लेकिन साथ ही यह भी माना कि हर खिलाड़ी की पसंद अलग होती है और गंभीर के पास कोचिंग का अनुभव है।

पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने भारतीय मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ हुई मुलाकातों के दौरान उन्हें एक भावुक व्यक्ति करार दिया और चेतावनी दी कि ऐसे कोच किसी टीम के लिए अच्छी बात नहीं हो सकते। एबी

एक यूट्यूब वीडियो में भारतीय क्रिकेट के दिग्गज रविचंद्रन अश्विन से बात कर रहे थे। यह वीडियो भारत की दक्षिण अफ्रीका से घरेलू श्रृंखला 0-2 से हारने के बाद बनाया गया था, जो लगातार दो वर्षों में घरेलू मैदान पर उनका दूसरा सफाया था, जिससे वे एक ऐसे परिदृश्य में आ गए थे जिसका भारतीय क्रिकेट ने वर्षों से अनुभव नहीं किया थाः घरेलू वर्चस्व और 'घरेलू धौंस जमाने वालों' का टैग धीरे-धीरे खत्म हो रहा है। एबी डिविलियर्स ने आगे कहा कि इसने भारत के मुख्य कोच के रूप में गंभीर के भविष्य पर भी बहस छेड़ दी है, जिनके नेतृत्व में भारत ने घरेलू मैदान पर दो टेस्ट श्रृंखलाएँ गंवाई हैं, एक पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ, जो 12 साल बाद घरेलू मैदान पर उनकी पहली हार थी। अश्विन के यूट्यूब चैनल पर बातचीत के दौरान, एबी ने कहा, मुझे नहीं पता कि नेतृत्व के मामले में जीजी कैसा है। मैं उन्हें एक भावुक खिलाड़ी के रूप में जानता हूँ, और अगर चेंज रूम में भी ऐसा ही है, तो आमतौर पर एक भावुक कोच होना अच्छी बात नहीं होती। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वह उस तरह के कोच और पर्दे के पीछे के नेता हैं। इसमें कोई सही या गलत नहीं है।

## 19 वर्षीय सिंदारोव बने नए चैस चैंपियन, रोमांचक टाईब्रेकर में वाई यी को हराया

*GANDIV REPORTER*

**गोवा।** गोवा में बीते एक महीने से चल रहे 2025 फिडे विश्व कप का समापन इस बार एक युवा विजेता के नाम रहा। उज्बेकिस्तान के 19 वर्षीय ग्रैंडमास्टर जवोखिमिर सिंदारोव ने बेहतरीन संयम और रणनीति के साथ चीन के वाई यी को टाईब्रेकर में 1.5-0.5 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। बता दें कि इस जीत के साथ सिंदारोव ने 1,20,000 डॉलर की पुरस्कार राशि और 2026 कैंडिडेट्स टूनार्मेंट में प्रवेश भी पक्का कर लिया है।

मौजूद जानकारी के अनुसार यह मैच शुरूआत से ही उतार-चढ़ाव से भरा रहा। पहली टाईब्रेकर गेम में सिंदारोव के पास सफेद मोहरों से जीत का सीधा मौका था, लेकिन उन्होंने फैसला लेने में समय लगाते हुए सही चाल नहीं चुनी। बाद में उन्होंने स्वीकार किया कि बीच के ब्रेक में उन्हें अपनी गलती पता चली, जिससे वे थोड़े निराश भी हुए। हालांकि, यह निराशा ज्यादा देर नहीं रही क्योंकि दूसरी गेम में उन्होंने काले मोहरों से शानदार नियंत्रण दिखाया। दूसरी गेम एक धीमी और रणनीतिक इटैलियन ओपनिंग से शुरू हुई, जहां सिंदारोव

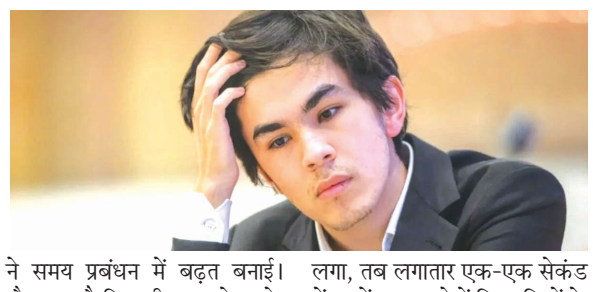

ने समय प्रबंधन में बढ़त बनाई। गौरतलब है कि इसी बढ़त ने उनके खेल को मजबूत किया और दबाव वाई यी पर बढ़ता गया। सिंदारोव ने एक समय ड्रॉ का प्रस्ताव भी रखा, लेकिन वाई यी ने इसे ठुकरा दिया और जोखिम लेने का फैसला किया। जब मैच तेज समय नियंत्रण में जाने लगा, तब लगातार एक-एक सेकंड में चालें चलना दोनों खिलाड़ियों के लिए चुनौती बन गया। अंतिम क्षणों में वाई यी ने 57वीं चाल पर गलती कर दी, जिसके बाद काले मोहरों के लिए रास्ता साफ हो गया। इस निर्णायक गलती ने मैच का रुख एकदम बदल दिया।

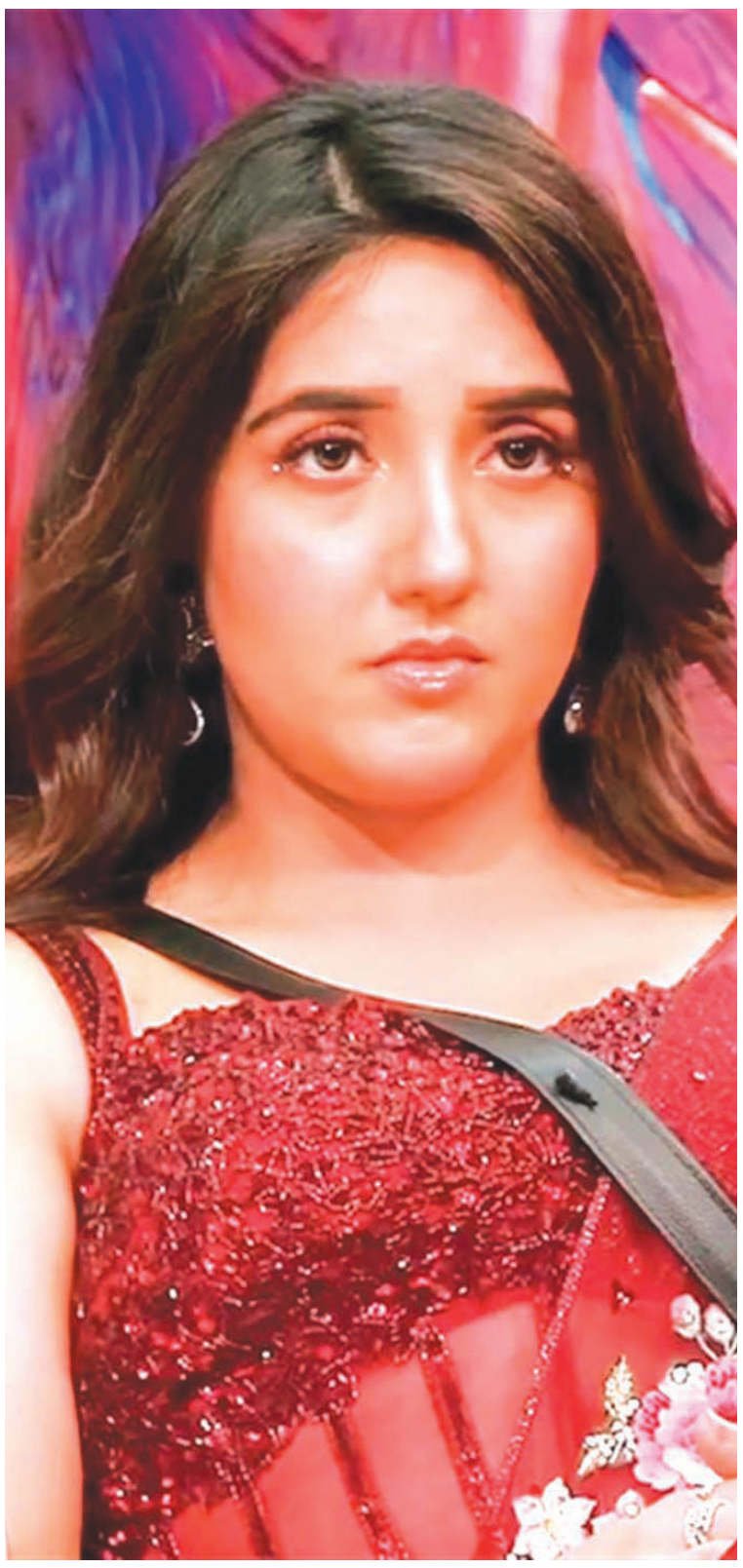

# बिग बॉस 19 से बाहर हुईं अशनूर कौर?

## तान्या से हाथापाई पर उठा बवाल फिनाले से पहले ही सफर खत्म?

बिग बॉस 19 आखिरकार खत्म होने वाला है, और फिनाले से ठीक एक हफ्ता पहले, गौरव खन्ना ने टिकट टू फिनाले जीता, और शो के पहले फाइनलिस्ट बन गए। हालांकि, इस हफ्ते की सबसे खास बात अशनूर कौर की तान्या मित्तल के साथ लड़ाई थी।

बिग बॉस 19 आखिरकार खत्म होने वाला है, और फिनाले से ठीक एक हफ्ता पहले, गौरव खन्ना ने टिकट टू फिनाले जीता, और शो के पहले फाइनलिस्ट बन गए। हालांकि, इस हफ्ते की सबसे खास बात अशनूर कौर की तान्या मित्तल के साथ लड़ाई थी। वीकेंड का वार प्रोमो में सलमान खान तान्या को जानबूझकर लकड़ी के तख्ते से मारने के लिए अशनूर को डांटते हुए और यह बताते हुए दिखाई दे रहे हैं कि उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। इस बीच, सोशल मीडिया ट्रेंड्स सीजन के लेटेस्ट एविक्शन के बारे में चर्चा कर रहे हैं - अशनूर कौर बिग बॉस 19 के घर से बाहर होने वाली लेटेस्ट कंटेस्टेंट हैं। यह कितना सच है? आइए पता करते हैं।

**अशनूर कौर बिग बॉस 19 से बाहर : रिपोर्ट**

अशनूर कौर, जिन्हें सीजन के सबसे स्ट्रॉन्ग कंटेस्टेंट्स में से एक माना जा रहा था, के इइ 19 हाउस से बाहर होने की अफवाह है। बिग बॉस 19 टीम की तरफ से ऑफिशियल कन्फर्मेशन का इंतजार है, वहीं द खबरी समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म दावा कर रहे हैं कि पॉपुलर टीवी स्टार-इंफ्लुएंसर टॉप 5 कंटेस्टेंट्स के अनाउंसमेंट से पहले ही घर से बाहर हो गई हैं। अशनूर टिकट टू फिनाले टास्क के दौरान तान्या मित्तल के साथ अपनी हाथापाई के लिए भी सुर्खियों में रही हैं। सोशल मीडिया यूजर्स का एक सेक्शन यह भी दावा कर रहा है कि एक्टर को तान्या के साथ उनकी लेटेस्ट लड़ाई की वजह से घर से बाहर जाने के लिए कहा गया था।

**सोशल मीडिया यूजर्स ने कैसे रिएक्ट किया?**

अशनूर कौर के एलिमिनेशन पर इंटरनेट पर रिएक्शन बंटे हुए हैं। जहां एक्टर के फैंस दावा कर रहे हैं कि वह शो में बहुत अच्छी हैं, वहीं दूसरों ने उनके एविक्शन को फेयर कहा है। दूसरों को लगा कि मालती चाहर को एलिमिनेट कर देना चाहिए था। ऐसा लगता है कि इस मामले पर कन्फर्मेशन के लिए हमें रविवार का इंतजार करना होगा।

आज सुबह, अशनूर कौर के एक्स हैंडल ने शो में उनके एक्सपीरियंस का एक वीडियो मोंटाज पोस्ट किया। इसे एक नोट के साथ पोस्ट किया गया था जिसमें लिखा था, सिर्फ. एक कंटेस्टेंट नहीं - वह जनता की फेवरेट है, एक ऐसी लड़की जिसे ऑडियंस ने स्क्रीन पर बड़ा होते देखा है, उसकी ईमानदारी, टैलेंट और दिल की तारीफ की है। बचपन के रोल से लेकर बिग बॉस के घर तक, लोगों ने उसे हर कदम पर पसंद किया है। वह बॉन्ड असली है, और यह हर दिन दिखता है!

अगर अशनूर कौर घर से बाहर हो जाती हैं, तो बिग बॉस 19 के घर के टॉप सात कंटेस्टेंट गौरव खन्ना, फरहाना भट्ट, तान्या मित्तल, प्रणित मोरे, अमाल मलिक, शहबाज बदेशा और मालती चाहर होंगे।

प्रोमो में, सलमान खान अशनूर कौर की क्लास लेते हैं और कहते हैं, ह्यबिग बॉस के घर में अशनूर किसी के ऊपर हाथ उठाना, किसी को चोट पहुंचाना अच्छा नहीं है।ह्ल अशनूर तुरंत अपने व्यवहार के लिए माफी मांगती है। हालांकि, सलमान आगे कहते हैं, ह्यइनका आक्रामकता इस स्तर का था के इन्होंने जान बुझकर वो लकड़ी के तख्ते को पूरी ताकत के साथ घुमाया और यह बहुत स्पष्ट था कि यह जानबूझकर और गुस्से से भरा था।

अशनूर कौर हुईं घर से बेघर

अशनूर ने कहा कि उनका तान्या को मारने या चोट पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था और यह गलती से हो गया। सलमान बीच में ही टोकते हैं और कहते हैं, ह्ये लग गई, लग गई क्या? आपने यूं निकाला है, और यूं मारा है।ह्ल फिर वह समझाते हैं कि कुछ खास नियम हैं जिनका पालन करना जरूरी है और इसके लिए एक्शन लिया जा रहा है।

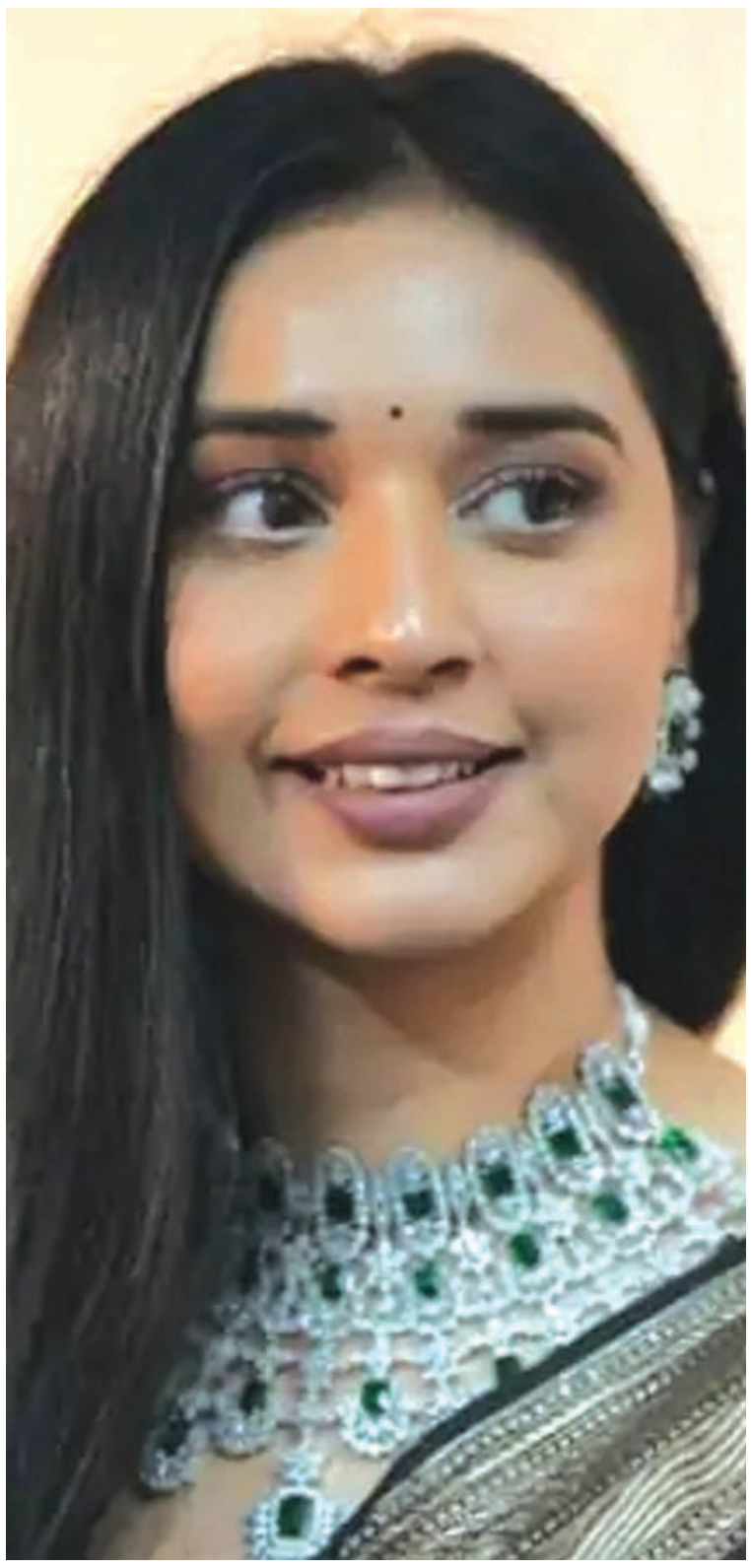

# भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के समापन समारोह में रजनीकांत को सम्मानित किया गया

गोवा में आयोजित 56वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) का समापन समारोह शुक्रवार को यादगार बन गया, जब सिनेमा में 50 वर्ष पूरे कर चुके सुपरस्टार रजनीकांत को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया और एश मेफेयर की फिल्म स्किन ऑफ यूथ को सर्वोच्च पुरस्कार मिला।

गोवा में आयोजित 56वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) का समापन समारोह शुक्रवार को यादगार बन गया, जब सिनेमा में 50 वर्ष पूरे कर चुके सुपरस्टार रजनीकांत को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया और एश मेफेयर की फिल्म स्किन ऑफ यूथ को सर्वोच्च पुरस्कार मिला। आईएफएफआई के समापन समारोह में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने रजनीकांत को शॉल और

स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। 74 वर्षीय सुपरस्टार ने कहा, मैं बहुत विनम्रता और कृतज्ञता के साथ यहां खड़ा हूं और 50 वर्षों के अपने काम को सराहने और सम्मानित करने के लिए केंद्रीय सरकार का दिल से धन्यवाद करता हूं। अगर मैं पीछे मुड़कर देखूं तो लगता है कि मैंने सिर्फ 10-15 साल काम किया है, और इसका कारण केवल मेरा सिनेमा और अभिनय के प्रति प्रेम है।

इसलिए, 100 साल बाद भी मैं फिर अभिनेता, यानी रजनीकांत के रूप में जन्म लेना चाहूंगा। आपके प्यार और स्नेह के लिए धन्यवाद। इस समारोह में अभिनेता अपने परिवार के साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह, अभिनेता-निमार्ता ऋषभ शेट्टी, फिल्म शोले के निर्देशक रमेश सिप्पी, धनुष, नवाजुद्दीन सिद्दीकी, विनीत कुमार सिंह, अमित साध और फिल्मकार मधुर भंडारकर, राकेश ओमप्रकाश मेहरा और शेखर कपूर भी मौजूद रहे।

इस वर्ष दुनिया को अलविदा कह चुके कलाकारों को भी समारोह में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इन फोंड रिमेम्ब्रेंस ऑफ द आर्टिस्ट्स वी लॉस्ट शीर्षक वाले श्रद्धांजलि कार्यक्रम में धर्मेंद्र, कामिनी कौशल, सुलक्षणा पंडित, सतीश शाह, पीयूष पांडे, जुबिन गर्ग और श्याम बेनेगल को याद किया गया। समारोह में विजेताओं को भी पुरस्कार प्रदान किए गए। वियतनामी फिल्म स्किन ऑफ यूथ को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार संतोष डावखर को उनकी मराठी फिल्म गोंधल के लिए दिया गया। कोलंबियाई अभिनेता उबेमार रियॉस को उनकी फिल्म ए पोएट में अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला। जारा सोफिजा ओस्टान को उनकी फिल्म लिटिल ट्रबल गर्ल्स में अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला।

# रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम ने प्रेग्नेंसी की घोषणा की, फैंस में खुशी की लहर

एक्टर रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम ने अनाउंस किया है कि वे अपनी दूसरी वेडिंग एनिवर्सरी पर अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। फैंस और फॉलोअर्स के साथ यह खुशखबरी शेयर करते हुए, कपल ने लिखा, दो साल का प्यार, एडवेंचर, और अब... थोड़ा वाइल्ड होने वाला है। 29 नवंबर को, कपल ने अपनी दूसरी वेडिंग एनिवर्सरी यह अनाउंस करके मनाई कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं। उनके इस प्यारे पोस्ट ने तुरंत सोशल मीडिया को फैंस, दोस्तों और फिल्म इंडस्ट्री के प्यार, आशीर्वाद और एक्साइटमेंट से भर दिया। कपल ने प्रेग्नेंसी का खुलासा करके एनिवर्सरी मनाई। शनिवार को, रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम ने इंस्टाग्राम पर यह खुशखबरी शेयर की। उन्होंने एक शांत जंगल में कैंपफायर के पास बैठे हुए अपनी एक तस्वीर पोस्ट की। जैसे ही उन्होंने यह पोस्ट शेयर किया, बधाई मैसेज आने

लगे। एक्टर फैसल मलिक ने कमेंट किया, मुबारक हू।

कई फैंस ने भी कपल को उनकी वेडिंग एनिवर्सरी पर विश किया और इस खबर पर खुशी जताई। प्रेग्नेंसी अनाउंसमेंट ने उनके साथ के सफर में एक और मीनिंगफुल चैप्टर जोड़ दिया है। ज़िंदगी के प्रति अपने जमीन से जुड़े और नेचर-लविंग नजरिए के लिए जाने जाने वाले इस कपल ने अक्सर उन वैल्यूज के बारे में बात की है जो उन्हें अपनी जड़ों के करीब रखती हैं। जिन लोगों को नहीं पता, उन्हें बता दें कि इस कपल ने 29 नवंबर, 2023 को मणिपुर के इंफाल में एक ट्रेडिशनल वेडिंग सेरेमनी में शादी की। फैंस और इंडस्ट्री के साथियों ने कपल को बधाई दी है। पंचायत एक्टर फैसल मलिक ने रेड हार्ट इमोजी के साथ लिखा, मुबारक हू। सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में दिल से विशेज दीं। एक इंस्टाग्राम यूजर ने कमेंट किया, हैप्पी एनिवर्सरी! उम्मीद है आपने कुछ रेड राइस खीर खाई होगी। दूसरे ने कहा, बधाई हो और ढेर सारी शुभकामनाएं। अब तक इस पोस्ट को 7,000 से ज्यादा लाइक और सैकड़ों कमेंट मिल चुके हैं। जिन लोगों को नहीं पता, रणदीप हुड्डा की पत्नी लिन लैशराम एक एक्ट्रेस हैं और जाने जान, मैरी कॉम, एक्सोन और दूसरी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

# बॉक्स ऑफिस : फरहान की 120 बहादुर के साथ मस्ती 4 का पहिया जाम, अजय की दे दे प्यार दे 2 ने भी बदल लिया रंग

एक तरफ फरहान अख्तर की फिल्म 120 बहादुर दिल्ली में टैक्स-फ्री हो चुकी है, वहीं शुक्रवार को इसकी कमाई में गिरावट आई। फरहान ही नहीं बल्कि पिछले शुक्रवार को ही रिलीज हुई विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख और आफताब शिवदासानी की मस्ती 4 का भी पहिया जाम दिख रहा है। इन दोनों फिल्मों के अलावा अब तक 1 करोड़ से ऊपर ही रोज कमाई करने वाली अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की फिल्म दे दे प्यार दे 2की भी कमाई कम दिख रही।

हालांकि, वीकेंड आते-आते इन फिल्मों के कलेक्शन में आई गिरावट के पीछे बड़ी वजह दिख रही है। इस वीक दो फिल्में तेरे इश्क में और गुस्ताख इश्क रिलीज हुई हैं। ऐसे में इन नई फिल्मों की वजह से पुरानी फिल्मों की कमाई पर असर भी दिख रहा है। 120 बहादुर सच्ची घटना पर बेस्ड फिल्म

फिल्म 120 बहादुर सच्ची घटना पर बेस्ड फिल्म है। मेजर शैतान सिंह के नेतृत्व में चार्ली कंपनी के 120 बहादुर सैनिकों ने साल 1962 के चीन-भारतीय युद्ध के दौरान दुश्मनों को विफल करने किया। उन्होंने बफीर्ले रेजांग ला दर्रे पर दुश्मनों को गिराने में पूरी ताकत झोंक दी जहां तापमान माइनस तीस डिग्री से भी नीचे और ऑक्सीजन नाममात्र का था। मेजर शैतान सिंह भाटी और उनकी 13 कुमाऊं रेजिमेंट की चार्ली कंपनी ने चीन की फौज को ऐसा पस्त किया कि उनका वो बलिदान आज भी हर देशवासी की आंखें नम और गर्व से भर देता है।

**120 बहादुर की कितनी हुई कमाई**

इस फिल्म 120 बहादुर को बनाने में करीब 135 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। वहीं कमाई की बात करें तो इसने शुक्रवार को अब तक की सबसे कम कमाई की है। रूंल्ल्र'' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म ने 8वें दिन महज 40 लाख रुपये की कमाई की है। भारत भर में अब तक फिल्म ने कुल 15.4 करोड़ का कलेक्शन किया है। वहीं दुनिया भर के कलेक्शन के आंकड़ों पर नजर डालें तो इसने 7 दिनों में 19.75 करोड़ रुपये की कमाई की थी जो अब करीब 20 करोड़ से ऊपर जा चुकी है।

**फिल्म मस्ती 4 की क्या है कहानी, कितनी हुई कमाई**

इंद्र कुमार के डायरेक्शन में बनी फिल्म मस्ती 4 तीन ऐसे शरारती दोस्तों की कहानी है, जो अपनी नीरस जिंदगी में रंग भरने के लिए बेचैन है। दरअसल विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख और आफताब शिवदासानी तीनों में से अमर की पत्नी बिंदिया (एलनाज नोरौजी) हर वक्त चैरिटी के काम में लगी रहती है, वहीं प्रेम की पत्नी गीता (रूही सिंह) हर दिन कोई न कोई त्योहार मनाने की प्लानिंग में। वहीं मीत की बीवी आंचल (श्रेया शर्मा) ऐसी है जिसे हर किसी पर शक है। आखिरकार तीनों अपनी जिंदगी में कुछ नया करने के लिए ऐसा कदम उठाते हैं कि वो उनपर भारी पड़ता है। 40 करोड़ के बजट में बनी ये फिल्म शुक्रवार को केवल 22 लाख रुपये ही कमा पाई है। इस लिहाज से नई फिल्मों का असर सबसे अधिक इसी पर नजर आ रहा है। देश भर में इसने अब तक 14.07 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।

**फिल्म दे दे प्यार दे 2 की क्या है कहानी और कमाई**

वहीं अंशुल शर्मा निर्देशित अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की फिल्म दे दे प्यार दे 2 ने लोगों को अब तक ठीक-ठाक एंटरटेन किया है। अपने पिता की उम्र के अजय देवगन (52 साल के लंदन में रहने वाले एनआरआई इन्वेस्टर आशीष मेहरा) से 27 साल की आयशा खुराना को प्यार हो जाता

है। फिल्म मे ट्विस्ट तब आता है जब आयशा के पिता को आशीष के बारे में पता लगता है और चीजें काफी हास्यास्पद होने लगती हैं। इस फिल्म की कहानी काफी सारा ड्रामा है और लोगों को जमकर हंसा भी रही है। शुक्रवार को फिल्म ने 85 लाख रुपये की कमाई की है। कुल मिलाकर फिल्म ने अब तक भारत भर में 68.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। वहीं इसने जहां 14 दिनों में 103.50 करोड़ रुपये की कमाई की है अब 15 दिनों में इसके 104 करोड़ से आगे पहुंचने की उम्मीद है।